PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 323 ● भिलाई, बुधवार 08 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

प्रेम-विवाह के बाद कार और पैसे की मांग; 72 दिन बाद पत्नी की मौत

नईदिल्ली। दिल्ली की लोधी कॉलोनी इलाके में 28 वर्षीय नवविवाहिता आकृति सुतार की तीसरी मंजिल से गिरकर हुई मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति अरस्तु सिक्का (32) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि महिला के परिजनों ने घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताया है और उसके पति समेत ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। आकृति की मां ने पुलिस के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। संगम विहार निवासी आकृति ने इसी साल 24 अप्रैल को पुष्प विहार निवासी अरस्तु से प्रेम विवाह किया था। शादी के लिए दोनों परिवार रजामंद थे। आकृति छतरपुर स्थित एक कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव थीं। वह शनिवार सुबह कार्यालय गई और शाम साढ़े 7 बजे पता चला कि आकृति की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई है। आकृति का शव ससुराल से 15 किलोमीटर दूर नगर महापालिका की सोसाइटी में मिला है, जहां से उसका कोई वास्ता नहीं। आकृति के परिजनों का कहना है कि उसका पति अरस्तु बेरोजगार था, जबकि ससुर नगर महापालिका में सेक्शन ऑफिसर हैं।

बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्थित अत्यंत संवेदनशील भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय अंतरिक्ष भवन को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने बताया कि धमकी इसरो के आधिकारिक ईमेल पर रविवार रात 9 बजे भेजी गई है, जिसे सुबह 10:45 बजे इसरो के कर्मचारियों ने देखा। धमकी की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों को सूचना दी गई, जिसके बाद पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अंग्रेजी में लिखे ईमेल में दावा था कि इसरो मुख्यालय के अंदर बम लगाया गया है, जो दोपहर 2 बजे तक विस्फोट हो जाएगा। इसके बाद पूरे स्टाफ को बाहर निकाला गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड और पुलिस ने गहन तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने पीन्या औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क कार्यालय में भी एहतियाती जांच की थी।

सहकारी क्षेत्र के लिए नई जीवन बीमा कंपनी बनाएगी सरकार

नईदिल्ली। केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र के लिए नई जीवन बीमा कंपनी बनाएगी। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने इस बात की घोषणा की है। इसका उद्देश्य सहकारी संस्थाओं की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना और इस क्षेत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने मंत्रालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि सरकार सहकारी संस्थाओं को खेती और डेयरी से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में भी अवसर देना चाहती है, ताकि उनकी भागीदारी लगातार बढ़ सके।

रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर महामंथन, ड्रैगन की बढ़ेगी टेंशन!

पीएम मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नई दिल्ली/ एजेंसी

इंडोनेशिया ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ÒBintang Adipurna of the Republic of IndonesiaÓ से सम्मानित किया। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने खुद इस सम्मान की घोषणा की, जिसे पीएम मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों और दोनों देशों के बीच के सदियों पुराने आत्मीय संबंधों को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो के उस विशेष भाव की भी सराहना की, जिसमें उन्होंने कूटनीतिक प्रोटोकॉल को किनारे रखकर खुद एयरपोर्ट पहुंचकर उनका स्वागत किया था। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत-इंडोनेशिया की साझेदारी में एक सुनहरे अध्याय की शुरुआत हो रही है, जिसका असर पूरी मानवता पर पड़ेगा। दोनों नेताओं के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने पर जोर रहा। गौरतलब है कि साल 2018 में दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक स्तर तक पहुंचाया गया था और यह दर्जा मिलने के बाद पीएम मोदी की यह पहली द्विपक्षीय इंडोनेशिया यात्रा है। इस बैठक के दौरान रक्षा, समुद्री सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई। भारत और इंडोनेशिया, दो करीबी समुद्री पड़ोसी होने के नाते, हिंद महासागर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के

लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। पीएम मोदी ने घोषणा की कि दोनों देशों के कोस्ट गार्ड अब समुद्री सुरक्षा के लिए आपसी तालमेल बढ़ाएंगे। इसके अलावा, रक्षा आदान-प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। 'ब्लू इकोनॉमी', बंदरगाह विकास और समुद्री व्यापार में आपसी निवेश को बढ़ाना दोनों देशों की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। वार्ता के दौरान भारत ने अपनी सफल जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे मिड-डे मील और सार्वजनिक वितरण प्रणालीसे जुड़े समाधान इंडोनेशिया के साथ साझा किए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा समझौता हुआ है, जिसके तहत इंडोनेशिया के नागरिकों के लिए अब अच्छी क्वालिटी की और सस्ती भारतीय दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही, भारत इंडोनेशिया के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण में भी सक्रिय योगदान देगा। राजनीतिक और आर्थिक वार्ता के अलावा, दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक संबंधों पर भी विशेष ध्यान दिया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो इंडोनेशिया के ऐतिहासिक प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे। यह इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

रक्षा क्षेत्र में बड़ी डील-साझा सहयोग का दायरा बढ़ा...

इस यात्रा का सबसे प्रमुख आकर्षण रक्षा क्षेत्र में हुआ समझौता है। भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति के लिए सहमति दी है। इसके अलावा, इंडोनेशिया भारत के स्वदेशी अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल का भी आयात करेगा। ЁЯЖЕ द्वारा विकसित अस्त्र मिसाइल अपनी 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज' क्षमता के लिए जानी जाती है, जो दुश्मन के विमानों को सटीक निशाना बनाने में सक्षम है। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त बैटरियां भी प्रदान करेगा।दक्षिण-एशियाई और प्रवासी रक्षा के साथ-साथ दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा और सहयोग के लिए एक नया ढांचा तैयार किया है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता भरोसा रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूती दे रहा है। उन्होंने आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। साथ ही, भारत इंडोनेशिया में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण में भी योगदान देगा, जिससे वहां सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की पहुंच आसान होगी।

एनसीपी की रैली में जोरदार बम धमाका

शेख हसीना विरोधी मार्च में मची अफरा-तफरी......

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश से एक बार फिर हिंसा और अशांति की बड़ी खबर सामने आ रही है। राजधानी ढाका के नजदीकी इलाके सावर में सोमवार को एक राजनीतिक रैली के दौरान जोरदार बम धमाका हुआ. जानकारी के मुताबिक, यह धमाका नवनिर्मित राजनीतिक दल 'नेशनल सिटिजन पार्टी' द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान हुआ। धमाके के वक्त रैली को एक महिला नेता संबोधित कर रही थीं, तभी अचानक जनता के बीच एक बम फटा, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस घटना में कम से कम तीन

लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में अभी भी पूरी जानकारी नहीं मिली है। घटना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

केरल के वायनाड में मीनाक्षी पुल के पास भारी भूस्खलन से 3 लोगों की मौत कई लोग घायल..

नई दिल्ली। केरल के वायनाड जिले में एक बहुत ही भीषण प्राकृतिक आपदा सामने आई है। भारी बारिश के कारण मेप्पाडी इलाके में मीनाक्षी पुल के पास भूस्खलन हुआ है जिसमें भारी तबाही मची है। पहाड़ी का एक बहुत बड़ा हिस्सा अचानक ढहकर सड़क और पास बहने वाली नदी में पूरी तरह से गिर गया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। घटना सुबह करीब 10 बजे की है जब वहां मजदूर एक टनल निर्माण के काम में लगे हुए थे। कललाडी इलाके में पुल के पास टनल की खुदाई के कारण वहां मिट्टी का एक बहुत बड़ा टीला बन गया था। लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से यह विशाल टीला और आसपास की पहाड़ी का हिस्सा बुरी तरह से दरक गया। आपदा मोचन बल और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने के काम में जुटी है। पहाड़ी से गिरे मलबे के ठीक नीचे प्रवासी मजदूरों के रहने के लिए एक टेम्प्रेरी कैम्प बहुत पहले

बनाया गया था। इसके साथ ही वहां 2 बसों में स्थानीय मजदूरों को भी टनल के निर्माण कार्य के लिए विशेष रूप से लाया गया था। अचानक हुए इस भूस्खलन की पूरी चपेट में ये दोनों बसें और मजदूरों का वह टेम्प्रेरी कैम्प पूरी तरह से आ गए हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि सुबह का वक्त होने के चलते ज्यादातर लोग वहां से सुरक्षित जगहों पर भाग गए। प्रशासन और बचाव दल ने बहुत ही तेजी से कार्रवाई करते हुए मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू कर दी है। रेस्क्यू टीम ने अपनी कड़ी मशक्कत के बाद अब तक 6 लोगों को मलबे से निकालकर सुरक्षित बाहर कर लिया है। इन सभी घायल मजदूरों को तुरंत ही इलाज के लिए पास के अस्पताल में भेजा गया है। अधिकारियों को अभी भी इस भारी मलबे के नीचे कई अन्य मजदूरों के फंसे होने की पूरी आशंका बनी हुई है। जानकारों के मुताबिक मीनाक्षी पुल के पास चल रहे इस टनल निर्माण कार्य ने इस बड़ी आपदा को न्योता दिया है।

धीरज धर्म मित्र अरु नारी

चंपत राय बोले-मौन धारण किया है,सच सामने आएगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या स्थित भगवान राम मंदिर में दान चोरी मामले में ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफे के बाद पहली बार चंपत राय प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने चंपत राय की पाती रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी किया। पत्र में उन्होंने चढ़ावा चोरी को लेकर खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया है। साथ ही समय आने पर जवाब देने की भी बात कही। चंपत राय ने अपने एक्स हैंडल पर पत्र साझा किया। उन्होंने श्रीरामचरितमानस की चौपाई धीरज धर्म मित्र अरु नारी, आपद काल

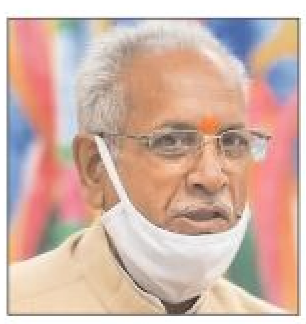

परिखिअहिं चारी। लिखकर पत्र साझा किया। पत्र में राय ने लिखा, पिछले 7 जून 2026 से श्री रामजन्मभूमि मन्दिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय की गयी चोरी के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं, व्यक्तिगत मेरे ऊपर अनेकों ने अनर्गल आरोप लगाए हैं, मैंने मौन धारण कर लिया है। चंपत राय ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर जवाब को लेकर पत्र में लिखा कि मन्दिर ट्रस्ट की 6 जुलाई को संपन्न बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी, यह रिपोर्ट अब सार्वजनिक हो चुकी है। यद्यपि यह गोपनीय थी। आगे उन्होंने लिखा कि आप सभी को आश्वस्त करता हूं कि एसआईटी के अन्तिम रिपोर्ट आने के बाद, फैलाये जा रहे सभी बिन्दुओं पर अपना उत्तर क्रमानुसार दूंगा।

दिल्ली के सरकारी अस्पताल में डॉक्टर ने जान दी, महिला डॉक्टर से प्रेम-प्रसंग बना कारण

नईदिल्ली। दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित अरुणा आसफ अली अस्पताल में एक वरिष्ठ डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली है। उनकी पहचान डॉ सिमरप्रीत सिंह आनंद (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह अस्पताल के कमरे में डॉक्टर का शव मिला था। डॉक्टर सिंह यहां एनेस्थीसिया विभाग में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 3 पत्रों का एक सुसाइड नोट और एक डायरी बरामद हुई है। इसमे आत्महत्या का कारण बताया गया है। पंजाब में लुधियाना निवासी डॉ सिंह पिछले 3 साल से इसी अस्पताल में कार्यरत थे। वह 4-5 जुलाई को नाइट ड्यूटी पर थे। रविवार सुबह जब वे कमरे से बाहर नहीं आए।

मैक्रों की सुरक्षा में बड़ी चूक!

धमाकों से दहला सीरिया होटल के पास ब्लास्ट....

नई दिल्ली/ एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सीरिया यात्रा के दौरान मंगलवार को राजधानी दमिश्क में एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। बताया जा रहा है कि ये विस्फोट उस वक्त हुए जब राष्ट्रपति मैक्रों सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे, उसी दौरान उनके ठहरने वाले 'फोर सीजन्स होटल' के पास कई विस्फोटक फट गए। सीरियाई मीडिया के अनुसार, राजधानी के मध्य इलाके में दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई

दीं। घटनास्थल पर धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक वाहन में आग लगी हुई नजर आ रही है, जबकि सड़क पर खून के धब्बे भी साफ दिख रहे हैं। हालांकि अभी तक विस्फोटों में हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि मैक्रों जिस होटल में ठहरे हुए हैं, उसके आसपास कई विस्फोटक उपकरण फटे। धमाकों के बाद आसपास की सड़कों को सील कर दिया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। फ्रांस की राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी के बयान के अनुसार, मैक्रों सुबह राष्ट्रपति भवन में बैठक के लिए होटल से निकल चुके थे।

18 साल बाद इंसाफ!

अहमदाबाद ब्लास्ट के 38 दोषियों की फांसी बरकरार

गुजरात/ एजेंसी

गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के दिल दहला देने वाले सीरियल बम धमाकों के मामले में अपना एक बहुत ही ऐतिहासिक और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने विशेष कोर्ट के उस पुराने फैसले पर अपनी पूरी मुहर लगा दी है, जिसमें 38 आतंकियों को मौत की सजा मिली थी। यह पूरा मामला साल 2008 का है जब पूरे शहर में एक के बाद एक कई भयंकर बम धमाके हुए थे और लोग पूरी तरह से दहल गए थे। अब 18 साल के लंबे दर्द और भारी इंतजार के बाद पीड़ितों के परिजनों को अदालत से बहुत बड़ी राहत और पक्का न्याय आखिरकार मिल गया है। अदालत ने फांसी की सजा पाने वाले 38 दोषियों के साथ-साथ 11 अन्य खतरनाक आतंकियों की आजीवन कारावास की सजा को भी पूरी तरह बरकरार रखा है। इसके अलावा हाईकोर्ट ने सभी निर्दोष पीड़ितों के लिए एक बड़े और उचित मुआवजे का भी बहुत ही स्पष्ट आदेश अपनी तरफ से जारी किया है। धमाकों में मारे गए कुल 56 लोगों के दुखी परिवारों को सरकार की तरफ से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक मदद तुरंत दी जाएगी। वहीं इस खौफनाक आतंकी हमले में घायल हुए 200 से ज्यादा लोगों को भी 1-1 लाख रुपये का मुआवजा बहुत ही जल्द दिया जाएगा। यह पूरा भयानक मामला 26 जुलाई 2008 का है, जब पूरे शहर में केवल 70 मिनट के भीतर कुल 21 खौफनाक बम

धमाके लगातार हुए थे। आतंकियों ने इन सभी बमों को साइकिल पर रखे छोटे टिफिन बॉक्स के अंदर बहुत ही चालाकी और पूरी साजिश के साथ छिपाकर रखा था। हमलावरों ने शहर की भीड़भाड़ वाली बसों, व्यस्त बाजारों और यहां तक कि स्थानीय सिविल अस्पताल को भी अपना सीधा और क्रूर निशाना बनाया था।धमाकों के कुछ ही समय बाद अहमदाबाद के साथ-साथ सूरत शहर से भी पुलिस ने कई जिंदा बम सुरक्षित रूप से बरामद किए थे। खूंखार आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन ने इस पूरे कायराना और खौफनाक हमले की पूरी जिम्मेदारी बहुत ही खुलेआम अपने सिर पर ली थी। ऐसा बताया जाता है कि मासूम लोगों पर किए गए ये भयानक धमाके साल 2002 में हुए दंगों का बदला लेने के लिए रचे गए थे। इस बड़े मामले में सरकार ने कुल 78 लोगों को मुख्य आरोपी बनाकर 35 अलग-अलग गंभीर केस पुलिस थानों में दर्ज किए थे। इन सभी दर्ज मुकदमों की सुनवाई के लिए एक स्पेशल कोर्ट बनाई गई थी, जहां लगभग 14 साल तक बहुत ही लंबी कानूनी सुनवाई चली। स्पेशल कोर्ट ने 1150 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज करने के बाद फरवरी 2022 में अपना एक बहुत ही कड़ा फैसला सुनाया था।

बताया था 2002 दंगों का बदला

आतंकवादियों ने ईमेल भेजकर हमले की जिम्मेदारी ली थी। दहशतगर्दों ने कायराना हमलों में निर्दोषों की जान लेकर इसे गुजरात के 2002 दंगों का बदला बताया था। गोधरा कांड के बाद गुजरात में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आतंकियों ने अहमदाबाद में अपने मंसूबों को अंजाम दे दिया था, पर गनीमत रही कि सूरत में उनके लगाए बम फटे नहीं। दो दिन बाद सूरत में भी बम बरामद किए गए थे। अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 एफआईआर दर्ज की गई थी। गहन जांच और दर्जनों की गिरफ्तारी के बाद 78 लोगों के खिलाफस्पेशल कोर्ट में ट्रायल चलाया गया। इनमें से 49 को अदालत ने फरवरी 2022 में दोषी करार दिया था। आईएम के 38 सदस्यों को मौत की सजा और 11 को उम्रकैद दी गई थी।

वर्षा ऋतु के दौरान आम नागरिकों को जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करें : कलेक्टर दिव्या मिश्रा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को वर्षा ऋतु के दौरान आम नागरिकों को जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर दिव्या मिश्रा संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान आम नागरिकों को मूलभूत एवं बुनियादी सुविधाओं के लिए कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। इसके अंतर्गत उन्होंने वर्षा ऋतु के मद्देनजर जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में समुचित मात्रा में दवाइयों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, पहुँच मार्गो की स्थिति, जिले के जलाशयों में जल भराव की स्थिति, पेयजल व्यवस्था आदि अति आवश्यक सेवाओं के प्रबंध के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने बालोद जिले में सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों की पंजीयन के कार्य की समीक्षा की बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले में विभिन्न विभागों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने सभी विभागों में नोडल अधिकारियों की नियुक्त करने तथा आवेदकों से दूरभाष से चर्चा कर आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी देने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों की पंजीयन के कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्धारित समयावधि तक जिले के शत प्रतिशत कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होने सभी विभाग प्रमुखों को ईएचआरएमएस पोर्टल में अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों का आनबोर्डिंग के कार्यों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों का ईएचआरएमएस पोर्टल में अनिवार्य रूप से आनबोर्डिंग कराकर समय पर कार्यालय में उपस्थित सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तक आवागमन करने में कठिनाई नही होना चाहिए : दिव्या

बैठक में दिव्या उमेश मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए वर्षा ऋतु के दौरान मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम की पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पूरे समय मुस्तैदी के साथ कार्य करने को कहा। इसके लिए उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले के सभी चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में समुचित मात्रा में दवाइयों एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के अलाव चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की पूरे समय उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा मितानिन आदि के पास पर्याप्त मात्रा में दवाइयां उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में क्लोरिन की टैबलेट की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान जिले में यातायात की सुचारू व्यवस्था, सड़कों के मरम्मत आदि कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में मुख्य मार्ग के अलावा स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तक आवागमन करने में कठिनाई नही होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों को जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

किसानों को समुचित मात्रा में खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश

बैठक में उन्होने वर्षा ऋतु के दौरान आम नागरिकों को शुद्ध पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को आम नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता को तांदुला जलाशय सहित जिले के सभी जलाशयों में जल भराव की स्थिति की प्रतिदिन जानकारी देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मछली पालन विभाग के सहायक संचालक को वर्तमान में मछलियों के प्रजनन काल एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 15 अगस्त तक तालाबों एवं जलाशयों आदि में सभी प्रकार के मत्स्याखेट पर पूरी प्रतिबंध लगाने हेतु जारी किए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने मौजूदा खरीफसीजन को देखते हुए जिले के सहकारी समितियों में खाद, बीज की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कृषि विभाग के उप संचालक, जिला विपणन अधिकारी एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को किसानों को समुचित मात्रा में खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुँचाने और प्रत्येक पात्र परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने शुरू किए गए सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के जिले में सफल क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए।

भारी बारिश को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क, सभी विभाग अलर्ट

बेमेतरा। जिले में लगातार हो रही वर्षा एवं मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में कार्य कर रहा है। संभावित आपदा की किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। जिले के सभी अनुविभागों, विकासखंडों, नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकारियों एवं मैदानी अमले को सतर्क रहने तथा लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आम नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सभी विकासखंडों में आवश्यक संसाधनों, राहत एवं बचाव दलों तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को तैयार रखा गया है। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरीय निकायों के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों, पुल-पुलियों, नालों, नदी-नालों तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में साजा अनुविभाग के अधिकारियों द्वारा ग्राम रोद्रा स्थित डोटूनाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां की स्थिति सामान्य पाई गई। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा जलस्तर एवं आवागमन की स्थिति पर सतत नजर बनाए रखी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में जिले की स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रण में है। कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद प्रशासन किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि भारी बारिश एवं मेघ गर्जना के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। नदी, नाले, पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को पार करने का प्रयास न करें तथा बच्चों को ऐसे स्थानों से दूर रखें। खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, ऊंचे पेड़ों तथा बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से बचें।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत कड़ी बनेगी महिला नवीन बुनकर सहकारी समिति : ऋषभ देवांगन

धमतरी। सहकारिता सप्ताह के अवसर पर महिला नवीन बुनकर सहकारी समिति मर्यादित भटगांव जिला धमतरी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष ऋषभ देवांगन ने कहा कि सहकारिता केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। महिला बुनकरों को संगठित कर सहकारी व्यवस्था से जोड़ना स्थानीय रोजगार, पारंपरिक बुनकरी कला के संरक्षण तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। देवांगन ने कहा कि जब महिलाएं संगठित होकर सहकारिता के माध्यम से कार्य करती हैं, तब केवल उनकी आर्थिक स्थिति ही सुदृढ़ नहीं होती, बल्कि परिवार और समाज भी मजबूत बनते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता की भावना आपसी विश्वास, सहभागिता और सामूहिक विकास पर आधारित है। यदि महिलाएं संगठित होकर आगे बढ़ेंगी तो गांव, समाज और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला नवीन बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, भटगांव भविष्य में क्षेत्र की महिला बुनकरों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराएगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ अनंत दीक्षित, जिला सहकारी संघ अधिकारी आनंद गुप्ता, जनपद सदस्य जयन्ती ध्रुव तथा ग्राम सरपंच फागूराम साहू ने भी अपने उद्बोधन में सहकारिता आंदोलन को ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बताते हुए समिति की इस पहल की सराहना की और इसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समिति अध्यक्ष दीप्ति देवांगन ने समिति के गठन के उद्देश्य, भावी कार्ययोजना तथा महिला बुनकरों को संगठित कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी दी तथा सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हेमराम ध्रुव, उमेश महाजन, हिरेश देवांगन, टिक्की देवांगन एवं मोहित देवांगन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला बुनकर एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं।

पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में नहीं करें पार : कलेक्टर उइके

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस. उइके ने पिछले कुछ दिनों से जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिलेवासियों से अपील की है कि वे नदी-नालों, तालाबों तथा पुल-पुलियों के आसपास सावधानी बरतें। उन्होंने कहा है कि आने वाले दिनों में भी वर्षा की संभावना बनी हुई है। कई स्थानों पर बारिश का पानी सड़कों एवं पुल-पुलियों के ऊपर से बहने की सूचना मिल रही है।

ऐसे में उन्होंने नागरिकों से भारी बारिश के दौरान सुरक्षित रहने तथा पूरी सावधानी के साथ आवागमन करने की अपील की है। कलेक्टर उइके ने विशेष रूप से स्कूली बच्चों से अपील की है कि यदि किसी पुल-पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा है तो उसे पार न करें। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की सुरक्षा पर ध्यान देने को कहा है। कलेक्टर ने अधिक जलभराव वाले पुल-पुलियों को पार नहीं करने के संबंध में लोगों को जागरूक करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। अधिक जलभराव वाले, क्षतिग्रस्त तथा डायवर्सन वाले पुल-पुलियों एवं सड़कों के किनारे सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। कलेक्टर उइके ने कहा है कि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही जान-माल के लिए खतरा बन सकती है। इसलिए सभी नागरिक आवश्यक सावधानियों का पालन करें। उन्होंने कहा है कि बारिश के दौरान नदी-नालों से रेत उत्खनन पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे कार्यों से दूर रहें तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल जिला प्रशासन को सूचना दें। उन्होंने नागरिकों से मौसम संबंधी जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

प्रधान पाठक रोहित पटेल का सम्मान के साथ विदाई

भंवरपुर। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला चनाट के प्रधान पाठक एवं संकुल स्त्रोत केंद्र चनाट के समन्वयक रोहित पटेल का संकुल केंद्र चनाट के शिक्षकों द्वारा अर्धवार्षिकी पूर्ण होने पर भावभीनी विदाई एवं सम्मान कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर सरस्वती वंदना कु नीलम राजहंस द्वारा प्रस्तुत की गई। अतिथियों का पुष्पहार, पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। स्वागत गीत नीलाम्बर नायक द्वारा प्रस्तुत की गई। समस्त मंचासीन अतिथियों ने रोहित पटेल के शिक्षकीय कार्यकाल की सराहना की, उन्होंने बताया कि इस दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए उनके द्वारा अनेक प्रयास किए गए। पी एम शासकीय प्राथमिक शाला चनाट के नन्ही बच्चियों द्वारा रंगारंग संस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। पटेल के शिक्षा विभाग में प्रथम नियुक्ति से आज तक के स्वर्णिम कार्यकाल तक उनके अध्ययन अध्यापन के क्षेत्र, राजीव गांधी शिक्षा मिशन में किये गए उनकी सेवाएँ, शिक्षक संगठन में उनके प्रयासों आदि सभी का गुणगान हुआ। मानपत्र का वाचन हुआ। यहां आगंतुक सज्जनों, ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों के लिए भोजन की व्यवस्था संकुल के शिक्षकों द्वारा की गई। ग्रामवासियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों द्वारा उन्हें विभिन्न प्रकार के भेंट स्नेह पूर्वक दिए गए। अंत में उन्हें बाजे गाजे के साथ उनके गृह ग्राम ढ़ालम तक पहुंचाया गया। उक्त अवसर पर जीएन चौधरी, रमेश पटेल, हेमचंद पटेल, डोलचंद नायक, गोपाल नायक, कुंजन पटेल, सुरेश बरिहा मोहन पटेल, जयकुमार पटेल, तिहारूराम पटेल एवं समस्त ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों के साथ साथ संकुल केंद्र चनाट से एच एस एस के प्राचार्य ओगरे, व्याख्याता दुष्यंत चौधरी, रेशम लाल चौधरी, अनिल पटेल, सोहनलाल, कुंती पटेल, मणि लाल पटेल, शिव कुमार बाघ, श्रीपति साव, लोकनाथ पटेल, सुलोचना डडसेना, सफेदलाल खूंटे, चित्ररेखा पटेल अवधराम जगत, प्रवीण सागर आदि शिक्षक मौजूद रहे। विकासखंड कार्यालय से जोल्हे बीईओ बसना, कँवर असिस्टेंट बीईओ, अनिल साव बीआरसीसी बसना, वारिश कुमार, गजेंद्र नायक, शरण दास तथा ललित देवता, तीरीथ पटेल आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन नीलांबर नायक द्वारा किया गया।

भाजपा द्वारा बिछिया में गर्भवती और शिशुवती माताओं का हुआ सम्मान

भंवरपुर। सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर द्वारा ग्राम पंचायत बिछिया में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति के सम्मान के साथ-साथ समाज में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देना रहा। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने सभी सम्मानित माताओं के उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी, पूर्व जनपद अध्यक्ष रुकमणी पटेल तथा मंडल प्रभारी विद्या चरण चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मोगरा किशन पटेल रहीं, जिन्होंने मातृशक्ति के सम्मान को भारतीय संस्कृति की महान परंपरा बताते हुए कहा कि गर्भवती एवं शिशुवती माताओं का सम्मान समाज के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान है। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर एवं जनपद सभापति दुखनी भूमेश चौहान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जहां उपस्थित जनों ने रूप कुमारी चौधरी के जन्मदिन पर उज्ज्वल भविष्य दीर्घायु स्वस्थ जीवन के ईश्वर से कामना करते हुए खुशी जताई। मंडल महामंत्री धर्मेन्द्र पटेल ने सभी अतिथियों, मातृशक्ति, कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अनवरत बारिश से खेत हुए लबालब, अन्नदाताओं के चेहरे खिले, कृषि कार्य में जुटे किसान

धमतरी। तूफान अल-निनो से समूचा देश चिंतित था। जिस प्रकार सोशल मीडिया में जारी भविष्यवाणियों को लेकर किसान चिंतित थे, उनके चेहरों में हवाईयां उड़ रही थीं। लेकिन 4 जून को आने वाला मानसून 4 जुलाई को छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया और इसके चलते समूचे प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हुआ। जिले में भी 4 जुलाई को शाम अचानक मौसम में तब्दीली आई और बौछारों की शुरूवात हुई और अनवरत बारिश से खेत लबालब हो गये जिससे अन्नदाताओं के चेहरे खिल उठे और खेती के काम में जुट गये। कहीं केज-व्हील, कहीं हल से जुताई का कार्य निरंतर जारी है। इससे ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष भी धान की बंपर आवक होगी। अनवरत बारिश से अन्नदाताओं के चेहरों में एक ओर मुस्कान देखी जा रही है, वहीं दूसरी ओर दो दिन से लगातार हो रही बारिश से कहीं-कहीं घरों में पानी घुसने की भी जानकारी प्राप्त हो रही है। जिले में भारी गर्मी से आम आदमी परेशान था। इससे बचने के लिये विभिन्न प्रकार के जतन किये जा रहे थे। ऐसे लोग आसमान की ओर टकटकी लगाये उमड़ते बादल को देखकर आशान्वित थे कि बारिश होगी। लेकिन महासागर से उठने वाले अल-निनो तूफान की खबर से ये मायूस से नजर आ रहे थे। अल-निनो तूफान के बारे में जो भविष्यवाणी की गई थी उसके अनुसार कहीं सूखा, कहीं भारी बारिश, आंधी चलने की खबर वायरल हुई थी। इससे आम आदमी चिंतित था कि इस वर्ष बारिश होगी कि नहीं। लेकिन 4 जुलाई की वह शाम जिलेवासियों में सुकून की शाम रही जब मौसम में अचानक परिवर्तन हुआ और बूंदाबांदी शुरू होने के साथ साथ तेज बारिश शुरू हुई और रात भर अनवरत बारिश होते रही। 6 जुलाई की सुबह वर्षा रूकी हुई है। संभावना जताई जा रही है कि आगे भी इसी प्रकार वर्षा होगी। जिले के अधिकांश खेतों में दरारें पड़ गई थी। पानी के अभाव में ऐसे किसान जो धान की फसल लेते हैं, उनके माथे में चिंता की लकीरें स्पष्ट नजर आ रही थीं और ये मायूस होकर टकटकी लगाये आसमानों की ओर रूख करते। लेकिन कहीं भी ऐसे आसार नजर नहीं आये। जिनके खेतों में बोर कनेक्शन लगा हुआ है उन्होंने अपने खेतों में बोर से पानी भरकर कृषि कार्य पहले प्रारंभ कर दिया जिसे देख अन्य किसान भी ऐसी उम्मीद करते थे कि हम भी यदि फसल बोते तो आज वह अंकुरित होकर दो इंच तक बढ़ जाते। इसी अवधि में मौसम के बदलाव के साथ साथ बारिश प्रारंभ हुई और उनके चेहरों में खुशी की लहर दौड़ गई और वे अपने सुविधानुसार खेतों की ओर रूख किये और जुताई शुरू की। खेत में लबालब पानी को मोटरों के माध्यम से बाहर कर जुताई कार्यक्रम शुरू कर उसमें धान बीज छिड़काव किया गया है। कुछ किसानों ने कहा कि पानी नहीं गिरने की वजह से खेती कार्य प्रभावित हुआ है। लेकिन 4 जुलाई शाम से हो रही अनवरत बारिश से इनका कार्य आसान हुआ। इनका कहना था कि बारिश देर से हुई और फसल भी देरी से होगी। लेकिन फसल होना तय है, इससे हम पूरी तरह आश्वस्त हैं।

सेवानिवृत्त प्राचार्य दिनेश कुमार शर्मा को पूर्व माध्य विद्यालय तरेंगा के शिक्षकों ने सम्मानित किया

भाटापार। शास उच्च माध्य विद्यालय देवरी से सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य दिनेश कुमार शर्मा को पूर्व माध्यमिक विद्यालय तरेंगा के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यालय आमंत्रित कर श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किये। इस अवसर पर सीएसी कौशल वर्मा ने कहा जब सर 1987 में पूर्व माध्य विद्यालय में उच्च वर्ग शिक्षक के पद पर पदस्थ हुए थे तो मैं उस विद्यालय में पढता था। सर मुझे पढाये हैं। उनकी शिक्षा है कि आज मैं भी शिक्षक हूं और समन्वयक का पद संभाल रहा हूं। वे एक आदर्श और अनुशासन प्रिय रहे हैं। उनके इतने अनुभव और प्रशासनिक ज्ञान का लाभ हमें मिलेगा। सेवानिवृत्त उपरांत उनके नव जीवन की एक शुरुआत हो रही है हम सब उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं। सेवानिवृत्त प्राचार्य दिनेश शर्मा ने अपने उदबोधन में कहा आप सभी का सम्मानित करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद वैसे ये मेरा सौभाग्य है कि मैं इस ग्राम के प्राथमिक विद्यालयमें 1983-84 में एडहाक शिक्षक(तदर्थ शिक्षक) के रूप में कार्य किया था और उसी ग्राम के पूर्व माध्य विद्यालय के आप शिक्षक-शिक्षिकाओं से सम्मानित हो रहा हूं। वैसे आपका स्टाफ एक साथ मिलकर कार्य करते, आप सब एक दूसरे के सुख दुख में साथ खड़े होते हैं किसी समस्या को सुलझाने में भी आप एक होते हैं यही आप लोगो की बड़ी बात हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है और कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने अगले 24 और 48 घंटों के लिए भारी से अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी करते हुए विभिन्न जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट घोषित किया है। मौसम विभाग के अनुसार, बिलासपुर और बस्तर संभाग के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक मौसमी वर्षा सामान्य से करीब 46 प्रतिशत कम रही है। अगले दो दिनों में मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। अगले 24 घंटे के लिए रेड अलर्ट रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, बेमेतरा, महासमुंद, बालोद, धमतरी, गरियाबंद और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों में एक-दो स्थानों पर बहुत भारी से अत्यंत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। अगले 24 घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा तथा बिलासपुर संभाग के अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। अगले 24 घंटे के लिए येलो अलर्ट सुकमा, बीजापुर और जशपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। अगले 48 घंटे के लिए रेड अलर्ट कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और मुंगेली जिलों में बहुत भारी से अत्यंत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। अगले 48 घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट बिलासपुर, बेमेतरा, दुर्ग, बालोद, नारायणपुर, बीजापुर, कोरबा, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया और कांकेर जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। अगले 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट रायपुर, बलरामपुर, सरगुजा और सूरजपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

रायपुर पुलिस के 308 विवेचकों को मिले ई-साक्ष्य संकलन के लिए मोबाइल, डिजिटल विवेचना को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। विवेचना को तकनीकी रूप से अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने महत्वपूर्ण पहल की है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 308 विवेचकों को ई-साक्ष्य (इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य) के त्वरित एवं सुरक्षित संकलन के लिए मोबाइल फोन वितरित किए गए। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल वितरित कर इसकी शुरुआत की। पुलिस मुख्यालय की इस पहल का उद्देश्य विवेचना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का त्वरित संकलन, व्यवस्थित दस्तावेजीकरण तथा विभिन्न तकनीकी प्लेटफॉर्मों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इन मोबाइल उपकरणों के माध्यम से घटनास्थल पर फोटो, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, डिजिटल रिपोर्टिंग और अन्य ई-साक्ष्यों का मानकीकृत तरीके से संकलन किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने विवेचकों को निर्देश दिए कि वे डिजिटल ऐप्स, ई-साक्ष्य संचालन प्रोटोकॉल और डेटा सुरक्षा के सभी मानकों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित वैज्ञानिक विवेचना से मामलों के त्वरित निष्पादन के साथ न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह पहल राज्य पुलिस मुख्यालय की डिजिटल सुदृढ़ता नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से लैस कर न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सुगम बनाना है। आगामी चरण में विवेचकों के लिए विशेष प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता तथा डेटा सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन की निगरानी की व्यवस्था भी लागू की जाएगी।

चरित्र शंका में पत्नी पर बुलेट मोटर साइकिल चढ़ाकर हत्या की कोशिश

रायपुर। जिले के जूटमिल थाना क्षेत्र में चरित्र शंका को लेकर हुए विवाद के बाद पत्नी की हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर अपनी पत्नी को बुलेट मोटरसाइकिल से कई बार कुचलने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता गणेशी साहू (32 वर्ष) ने 3 जुलाई 2026 को जूटमिल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि वर्ष 2014 में उसका प्रेम विवाह अमित साहू (36 वर्ष) से हुआ था और दोनों के दो बच्चे हैं। विवाह के बाद से आरोपी शराब के नशे में अक्सर मारपीट और विवाद करता था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर वह बच्चों को सास के पास छोड़कर अलग किराये के मकान में रहने लगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 30 जून को पीड़िता के जन्मदिन पर आरोपी उसे भविष्य में शराब नहीं पीने और अच्छे से रखने का भरोसा देकर अपने साथ ले गया। इसके बाद 3 जुलाई की रात वह उसे बुलेट मोटरसाइकिल से अपने गांव कोड़ातराई ले गया, जहां चरित्र पर संदेह करते हुए उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। पुलिस के अनुसार, जान बचाने के लिए जब पीड़िता घर से बाहर भागी तो आरोपी ने अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से उसे टक्कर मारकर गिरा दिया। आरोप है कि इसके बाद उसने हत्या की नीयत से मोटरसाइकिल कई बार पीड़िता के शरीर पर चढ़ाई और जान से मारने की धमकी देते हुए उसे कुचलने का प्रयास किया। इस हमले में महिला के सिर, गर्दन, हाथ, जांघ, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

34 घंटे में झपटमारी का खुलासाः 10 लाख के जेवर और मोबाइल बरामद, शातिर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की डी.डी. नगर थाना पुलिस और एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने झपटमारी की वारदात का महज 34 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवर, मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, कबीरधाम निवासी चंद्रिका देवांगन अपनी पुत्री के घर कृष्णा पैराडाइज, सरोना में नाती के जन्मदिन समारोह में शामिल होने रायपुर आई थीं। 2 जुलाई की सुबह वह अपने पति के साथ कवर्धा लौटने के लिए पैदल सरोना चौक जा रही थीं। सुबह करीब छह बजे राधाकृष्ण मंदिर, सरोना के पास एक स्कूटी सवार बदमाश ने उनके कंधे पर टंगा पर्स झपट लिया और केपीएस स्कूल की ओर फरार हो गया। पर्स में सोने के आभूषण और मोबाइल फोन रखा हुआ था। प्रार्थिया की शिकायत पर डी.डी. नगर थाना में बीएनएस की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

103 करोड़ रुपये से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन

स्वस्थ छत्तीसगढ़ करेगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण-मुख्यमंत्री साय

- 200 सीटर छात्रावास, कैंसर भवन विस्तार और आवासीय परिसर का होगा निर्माण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह, चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ रुपये से अधिक लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ

छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की भी सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर लाखों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया है। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, छात्रावास एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे....

- हर माह की नियमित सहायता से घर-परिवार की जरूरतें हो रहीं पूरी, महिलाओं में बढ़ रहा आत्मविश्वास

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सहभागी बनने का अवसर प्रदान कर रही है। प्रदेशभर में लाखों महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम मसौरा की निवासी श्रीमती गीता यादव की कहानी महतारी वंदन योजना के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है। योजना के अंतर्गत उन्हें अब तक 28 किश्तों के रूप में कुल 28 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक संबल मिला है। श्रीमती गीता यादव बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि उनके परिवार के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। इस राशि से वे घर की छोटी-मोटी आवश्यकताओं

की पूर्ति करती हैं। पहले दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब नियमित सहायता मिलने से घरेलू खर्चों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाया है और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे कहती हैं कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास भी प्रदान किया है। अब वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में अपनी सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका मानना है कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास भी करा रही है। श्रीमती गीता यादव मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महतारी वंदन योजना उनके जैसी लाखों महिलाओं और परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिल रहा है तथा वे आत्मविश्वास के साथ बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

बस्तर में बैंक सखियां बन रहीं ग्रामीणों की आर्थिक संबल......

- घर-घर पहुंच रही बैंकिंग सेवाएं, हजारों हितग्राहियों तक समय पर पहुंच रही शासकीय योजनाओं की राशि

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में बैंक सखियां ग्रामीणों के लिए भरोसेमंद बैंक मित्र बनकर उभरी हैं। उनकी सक्रिय सेवाओं से अब ग्रामीणों को बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होने से जहां समय और धन की बचत हो रही है, वहीं शासकीय योजनाओं की राशि भी हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंच रही है। बस्तर जिले में वर्तमान में 141 बैंक सखियां माइक्रो एटीएम एवं आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के माध्यम से नकद निकासी, नकद जमा, बैलेंस जांच, धन अंतरण सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रही हैं। इसके साथ ही वे ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के प्रति भी जागरूक कर रही हैं, जिससे गांवों में डिजिटल वित्तीय लेन-देन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। जून माह के दौरान बैंक सखियों ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हजारों हितग्राहियों को घर के पास ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराईं। पेंशन योजनाओं के 3,166 हितग्राहियों को 28 लाख 67 हजार 565 रुपए, महतारी वंदन योजना के 4,097 हितग्राहियों को 38 लाख 82 हजार 470 रुपए, स्वयं सहायता समूहों के 22,367 हितग्राहियों को 2 करोड़ 31 लाख 87 हजार रुपए से अधिक, वीबी-जी रामजी (मनरेगा) के तहत 2,103 हितग्राहियों को 15 लाख 46 हजार 179 रुपए तथा अन्य 12,026 वित्तीय लेन-देन के माध्यम से 1 करोड़ 44 लाख 78 हजार रुपए से अधिक की राशि का सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। बैंक सखियों की सेवाओं का सबसे अधिक लाभ बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ ग्रामों में रहने वाले ग्रामीणों को मिल रहा है। अब उन्हें बैंक शाखाओं तक पहुंचने में समय और अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता। घर के निकट ही सम्मानपूर्वक बैंकिंग सेवाएं मिलने से उनकी दैनिक जिंदगी अधिक सरल और सुविधाजनक हुई है।

कृषक उन्नति योजना से किसानों को मिली नई आर्थिक शक्ति

खेती हुई आधुनिक, परिवारों का भविष्य भी हो रहा अब सुरक्षित

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार की कृषक उन्नति योजना प्रदेश के किसानों के लिए आर्थिक संबल बनकर उभर रही है। योजना के तहत प्रदान की जा रही प्रोत्साहन राशि किसानों को खेती में निवेश बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों के किसान इस योजना से लाभान्वित होकर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं और खेती को अधिक लाभकारी बना रहे हैं। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के सोहागपुर ग्राम के किसान

श्री रमेश सिंह की कहानी कृषक उन्नति योजना के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है। गोड़ जनजाति से संबंध रखने वाले श्री रमेश सिंह के पास लगभग 10 हेक्टेयर कृषि भूमि है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने 255 क्विंटल धान का विक्रय किया, जिसके एवज में उन्हें कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 1 लाख 86 हजार 405 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। श्री रमेश सिंह ने इस राशि का उपयोग उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की खरीदी में किया, जिससे खेती की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा तथा परिवार की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी प्राथमिकता दी है। श्री रमेश सिंह का कहना है कि योजना से प्राप्त आर्थिक सहयोग ने उनकी खेती को नई दिशा दी है। अब वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं

बोलेरो से कुचलकर युवक की हत्याः मुख्य आरोपी तुषार ढांडा गिरफ्तार

रायपुर। जिले के उरगा थाना क्षेत्र में युवक को बोलेरो कैंपर से कुचलकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी तुषार ढांडा को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त बोलेरो कैंपर वाहन भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। मामले में थाना उरगा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई 2026 की रात करीब 11 बजे थाना दीपका क्षेत्र के 10 से 12 युवक अपने साथी विकास हुड्डा का जन्मदिन मनाने के लिए उरगा थाना क्षेत्र स्थित मीरा रिजॉर्ट पहुंचे थे। इसी दौरान रिजॉर्ट में किसी बात को लेकर तुषार ढांडा और उज्ज्वल कुमार सिंह के बीच विवाद हो गया।

सहकारिता सप्ताह के समापन पर जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

सहकारिता बनेगी किसानों की समृद्धि का नया आधार-उपमुख्यमंत्री विजय

- आधुनिक कृषि तकनीकों, सामूहिक भागीदारी और सहकारिता आधारित आर्थिक विकास पर दिया गया विशेष जोर
- किसानों को प्रदान किया अल्पकालीन कृषि ऋण और मछली कीट, विजेता बालिकाओं को किया सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित सहकारिता सप्ताह का समापन कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज डोम, कवर्धा में जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी के

साथ हुआ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के माध्यम से किसानों को सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सहकारिता सप्ताह का समापन किसी अभियान का अंत नहीं, बल्कि नए संकल्प और नई शुरुआत का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हमें सहकारिता को नई दिशा देने का संकल्प लेना होगा और इसे केवल पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर बहुआयामी विकास का मजबूत माध्यम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता का वास्तविक अर्थ है, सभी लोगों का एकजुट होकर साझा उद्देश्य के लिए कार्य करना। आज सहकारिता के माध्यम से धान उपार्जन और बैंकिंग जैसी व्यवस्थाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे कोल्ड स्टोरेज, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, पशुपालन, गैस एजेंसी संचालन तथा अन्य रोजगारमूलक गतिविधियों तक भी विस्तारित किया जाए। इससे किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में पहले 90 सहकारी समितियां थीं, लेकिन अब 40 नई समितियों के गठन के बाद उनकी संख्या बढ़कर 138 हो गई है। उन्होंने कहा कि आज महान शिक्षाविद् और राष्ट्रचिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भी है। इसी ऐतिहासिक तिथि पर भारत सरकार ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से समावेशी और संतुलित विकास सुनिश्चित करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में सहकारिता की भावना स्वाभाविक रूप से मौजूद है। बस्तर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां लोग मिल-जुलकर अनेक कार्य करते हैं, जो सहकारिता की सशक्त मिसाल है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम का शक्कर कारखाना भी सहकारिता मॉडल की सफलता का उदाहरण है। गुजरात के बनासकांठा के अनुभव साझा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि वहां सहकारिता के माध्यम से दुग्ध उत्पादन के साथ कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाते हैं और उसका लाभांश सभी सदस्यों में वितरित होता है।

संपादकीय

भारत-जापान की दोस्ती का नया अध्याय, दोनों देशों की एक जैसी चुनौती

एनर्जी सिक्योरिटी और सप्लाई चेन आज जिस अनिश्चित स्थिति में हैं, उसे देखते हुए भारत-जापान के बीच तमाम क्षेत्रों में हुआ समझौता भविष्य की जरूरतों के लिए अहम है। पहली बार जॉइंट डिफेंस को-डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट के लिए एग्रीमेंट होना दिखाता है कि दोनों देश दोस्ती को नए मकाम पर ले जाना चाहते हैं।जापान की पीएम सनाए तकाइची तीन दिन के दौरे पर भारत में हैं। पिछले साल अगस्त में 15वें भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी तोक्यो गए थे। दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर सहयोग लगातार बढ़ा है। इनके बीच का भरोसा तकाइची के इस दौरे में भी दिख रहा है, जहां पीएम मोदी ने उन्हें छोटी बहन कहकर संबोधित किया। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा का रोडमैप तैयार किया है, जो बदली वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए बेहद जरूरी है। अब केवल सस्ती आपूर्ति या कुछ देशों पर अत्यधिक निर्भरता से काम नहीं चलेगा। कोविड से लेकर यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया संकट तक ने ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। उस पर चीन की अपनी मनमानी है, जो रेयर अर्थ पर एकाधिकार को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। जापान और भारत, दोनों ही इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस लिहाज से,ह्व, सेमीकंडक्टर, बायोगैस और क्रिटिकल टेक्नॉलजी में हुआ मेमोरेंडम ऑफ कोऑपरेशन बेहद अहम है। भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाया है। दोनों देश मिलकर नेवल रेडियो एंटीना यूनिकॉर्न बनाएंगे। इससे डिफेंस टेक्नॉलजी में साझेदारी के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्थिरता और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए इन दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग अहम है। दोनों देश ़ह्व के सदस्य हैं और उस मंच की भी चिंता चीन की बढ़ती आक्रामकता है। चूंकि अब अमेरिका की प्राथमिकताएं बदलती दिख रही हैं, तो पेइचिंग की नीतियों से प्रभावित होने वाले दूसरे देशों को आगे आने की जरूरत है। हालांकि नई दिल्ली-तोक्यो की दोस्ती को किसी तीसरे के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए।जापान लंबे समय से भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोगी रहा है, और यह दौरा उस सहयोग का और विस्तार करेगा। पिछले एक साल में करीब 120 व्यापारिक समझौते हुए हैं और इनसे 10 अरब डॉलर से ज्यादा का जापानी निवेश भारत आएगा। सरकार चाहती है कि अगले एक दशक में भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो जाए। यह लक्ष्य बिल्कुल पाया जा सकता है। जापान को बाजार और मैन पावर चाहिए, जबकि भारत को तकनीक। दोनों एक-दूसरे के काम आ सकते हैं।

थोक महंगाई ने दी खतरे की घंटी, क्या अर्थव्यवस्था पर गहराने वाला है नया संकट?

केंद्र सरकार ने हाल ही में महंगाई को मापने के इस पारंपरिक तरीके में एक बड़ा बदलाव किया है। लगभग 14 वर्षों बाद थोक महंगाई सूचकांक के आधार वर्ष को पूरी तरह बदल दिया गया है।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2026 में थोक महंगाई दर में भारी उछाल दर्ज किया गया और यह 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है। अगर हम इसकी तुलना अप्रैल 2026 से करें, तो तब यह दर लगभग 8.3 प्रतिशत के करीब थी। केवल एक महीने के भीतर महंगाई का इतनी तेजी से ऊपर जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की अर्थव्यवस्था में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।

(रंजना मिश्रा)

यह आंकड़ा देश के हर एक नागरिक, हर छोटे-बड़े व्यापारी और हर उद्योग पर पड़ने वाले सीधे असर की ओर इशारा करता है। महंगाई ने न केवल देश के शीर्ष नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है, बल्कि आम जनता के घर के बजट को भी पूरी तरह बिगाड़ दिया है। दरअसल, थोक महंगाई मुख्य रूप से वह दर है, जिस पर थोक बाजार में चीजों की बड़े पैमाने पर खरीद-बिक्री होती है। यानी जब कोई बड़ा कारखाना या उत्पादक अपना तैयार माल थोक विक्रेताओं या वितरकों को बेचता है, तो वस्तुओं की कीमतों में जो बदलाव आता है, उसे इसी दर से मापा जाता है। हालांकि, आम आदमी सीधे तौर पर थोक बाजार से सामान नहीं खरीदता है, लेकिन अर्थशास्त्र का यह नियम है कि जब थोक में सामान महंगा होता है, तो कुछ ही समय बाद खुदरा बाजार में भी उसी अनुपात में दाम बढ़ जाते हैं। थोक महंगाई आज की कड़वी सच्चाई है, जिसकी आंच कल आम आदमी की रसोई और जेब तक तेजी से पहुंचने वाली है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में महंगाई को मापने के इस पारंपरिक तरीके में एक बड़ा बदलाव किया है। लगभग 14 वर्षों बाद थोक महंगाई सूचकांक के आधार वर्ष को पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले यह आधार वर्ष 2011-12 हुआ करता था, लेकिन अब इसे अद्यतन कर वर्ष 2022-23 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य आज की बदलती अर्थव्यवस्था की असली तस्वीर को सामने लाना है।

इतना ही नहीं, पहले के सूचकांक में सिर्फ 697 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती थी, लेकिन अब नई प्रणाली में 957 अलग-अलग वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। इस नए सूचकांक में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु बिजली को पहली बार शामिल किया गया है। इसके साथ ही, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी से हटाकर 'ईंधन और ऊर्जा' के समूह में डाल दिया गया है। सरकार ने इस मूल्य निर्धारण प्रणाली को दुनिया के विकसित देशों के मानकों के अनुरूप बनाने के लिए और अधिक पारदर्शी तरीके से 'प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स' (पीपीआई) की शुरुआत भी की है।

सवाल है कि थोक महंगाई ने अचानक इतनी तेज छलांग क्यों लगाई? दरअसल, थोक महंगाई की इस आग में सबसे ज्यादा घी डालने का काम ईंधन की कीमतों ने किया है। नई रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि मई 2026 में ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की महंगाई दर 30.33 प्रतिशत के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 24.89 प्रतिशत थी। इसका प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में चल रहा भू-राजनीतिक तनाव और देशों के बीच का संघर्ष है। जब भी दुनिया के उस संवेदनशील हिस्से में अशांति होती है, जहां से पूरी दुनिया को कच्चा तेल मिलता है, तो ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल विदेश से ही खरीदता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर दिया है।

दूसरी ओर, खाद्य महंगाई हमेशा से भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में संवेदनशील मुद्दा रही है, क्योंकि एक आम भारतीय परिवार की आय का बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ खाने-पीने की बुनियादी चीजों पर ही खर्च होता है। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर भी तेजी से उछलकर 4.49 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.11 प्रतिशत के स्तर पर थी। अगर हम सिर्फ प्राथमिक खाद्य वस्तुओं के सूचकांक को देखें, तो यह दर 3.60 प्रतिशत तक जा पहुंची है। यानी अनाज, फल और दूध जैसी बुनियादी चीजों के दाम भी थोक मंडियों में तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से तिलहन और मसालों की कीमतों में भारी उछाल देश भर में चिंता का विषय बना हुआ है।

इसके पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण जिम्मेदार हैं। पहला, माल ढुलाई का महंगा होना, क्योंकि किसानों के खेतों से निकलकर मंडियों और फिर दुकानों तक अनाज पहुंचाने में डीजल का भारी मात्रा में इस्तेमाल होता है। दूसरा बड़ा कारण मौसम की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन है। पिछले कुछ समय में कम बारिश, बेमौसम बरसात और बढ़ते तापमान ने कृषि उत्पादन पर काफी बुरा असर डाला है।

इस महंगाई का एक और बेहद गंभीर पहलू हमारे देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से सीधे तौर पर जुड़ा है। ये छोटे उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं और सबसे अधिक रोजगार इन्हीं क्षेत्रों से पैदा होता है। जब बड़े कारखानों में महंगाई बढ़ती है, तो उनके पास अक्सर इतना पैसा और बाजार की शक्ति होती है कि वे उस झटके को सह सकें या उसे आसानी से ग्राहकों तक पहुंचा सकें, लेकिन छोटे उद्योगों के पास यह सुविधा नहीं होती।

जब किसी छोटे कारखाने को कच्चे माल के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है और साथ ही उसे परिवहन और बिजली का भी भारी बिल चुकाना पड़ता है, तो उसका थोड़ा-बहुत मुनाफा भी खत्म हो जाता है। अगर वह अपनी चीजों की कीमत बहुत बढ़ा देता है, तो आम ग्राहक उसे खरीदना बंद कर देते हैं और बड़ी कंपनियों के उत्पाद खरीदने लगते हैं। इस दोहरी मार से कई छोटे कारखाने बंद होने के कगार पर पहुंच जाते हैं। जब ये बंद होते हैं, तो वहां काम करने वाले श्रमिकों का रोजगार भी छिन जाता है।

किसी व्यक्ति का रोजगार जाने का मतलब है कि उस पूरे परिवार की सामान खरीदने की क्षमता खत्म हो जाना। जब लोग बाजार से सामान खरीदना कम कर देते हैं, तो मांग तेजी से घट जाती है और जब मांग घटती है, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार स्वाभाविक रूप से धीमी पड़ने लगती है। थोक महंगाई की यह नई रिपोर्ट केवल बढ़ती कीमतों का एक साधारण संकेत नहीं है, बल्कि यह हमारे उद्योग जगत के सामने खड़े एक बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी भी है। जब तक ऊर्जा की अपनी जरूरतों के लिए भारत की निर्भरता दूसरे देशों के कच्चे तेल पर ज्यादा बनी रहेगी, तब तक देश की अर्थव्यवस्था इसी तरह विदेशी झटकों का शिकार होती रहेगी। इस समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान यही है कि भारत को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की तरफ अपने कदम मजबूती से बढ़ाने होंगे, ताकि वह ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

यमुना जल समझौताः सफल होते भागीरथी प्रयास

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है।

राजस्थान में कहावत है कि जल थोड़ो नेह घणो तो दुसरी और घी मांग्या म? पण पाणी मांग्या नहीं म?। यानी राजस्थान में पानी भले ही कम हो पर नेह अर्थात स्नेह खूब है तो दूसरी और राजस्थान में घी आसानी से मिल जाता है पर पानी बहुत कम मिल पाता है। यह आज के नहीं सदियों से चले आ रहे हालात है। मृग मरिचिका की तरह पानी की तलाश में लंबी दूरिया तय करनी पड़ती थी पर आज हालात तेजी से बदल रहे हैं। पानी को लेकर समग्र प्रयास किये जा रहे है। राजस्थान नहर ने जहां पश्चिमी राजस्थान की तकदीर ही बदल दी है वहीं नदियों को जोड़ने या अतरिक्त पानी को संजोने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही पानी को लेकर भागीरथी प्रयास शुरु किये और उन प्रयासों ने रंग लाना शुरु कर दिया है। यमुना जल समझौते के साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थानवासियों के लिए पानी की समस्या के समाधान के लिए किये जा रहे भागीरथी प्रयासों की कड़ी में एक और मनका जुड़ गया है। देश के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि राजस्थान पानी की कमी से जूझता प्रदेश है। यहां पर पेयजल सहित पानी की निर्भरता बरसाती पानी को लेकर ही रही है। अत्यधिक दोहन के चलते जहां पानी उपलब्ध भी है तो वहां पर जलस्तर तेजी से नीचे जाता जा रहा है ऐसे में पानी को लेकर समग्र, समन्वित और योजनाबद्ध प्रयास किया जाना जरुरी हो जाता है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर मेमोरण्डम ऑफ एग्रीमेंट एमओए के हस्तांतरण के साथ ही राजस्थान में यमुना जल के 32 साल पुराने सपने के साकार होने की राह प्रशस्त हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों का ही परिणाम है कि राजस्थान और हरियाणा के बीच ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच समझौते से खासतौर से शेखावटी के तीन जिले चुरु, झुन्झुनू और सीकर तक यमुना का जल पहुंच सकेगा। इससे इन जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा। दरअसल 12 मई, 1994 को उपरी यमुना जल बेसिन समझौता हुआ और इसके अनुसार राजस्थान को 10.4 प्रतिशत पानी मिलना था। पर 32 साल बीत जाने के बाद भी यह समझौता धरातल पर उतरने की स्थिति में नहीं आ सका। 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति पर ऐतिहासिक समझौते का परस्पर हस्तांतरण होना अपने आपमें महत्वपूर्ण हो जाता है।

लंबे समय से राजनीतिक आरोप प्रत्यारोपों के बीच राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही राजस्थान में पानी की समस्या को दूर करने के लिए भागीरथी प्रयास शुरु कर दिए गए। उसी का परिणाम है कि पहले पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पर बात बनी और उसके बाद रामजल सेतु लिंक प्रोजेक्ट धरातल पर आना शुरु हुआ। अब यमुना जल समझौते के साथ ही भजनलाल शर्मा के सही मायने में मरुधरा में पानी लाने के भागीरथी प्रयास आकार लेने लगे हैं। भजनलाल शर्मा की पानी को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों गंगा दशहरे से विश्व पर्यावरण दिवस तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समूचे प्रदेश में संचालित किया गया। देखा जाए तो यह दूरदर्शी निर्णय और प्रयास जल संकट से निजात और बर्बाद होते पानी के सदुपयोग की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। दरअसल नदियों के बरबाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी। यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केन्द्र सरकार को निर्देश दिए। राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है।

गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

आर्थिक मोर्चे पर भारत की रफ्तार तेज- हर पैमाने पर मजबूत हुई भारतीय अर्थव्यवस्था

(अमन तिवारी)

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते सार्वजनिक निवेश और रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह के सहारे तेजी से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। वैश्विक अनिश्चितताओं और युद्ध संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। मजबूत घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और स्थिर राजस्व संग्रह के दम पर आने वाले महीनों में भी विकास की रफ्तार बनी रहेगी।

सरकारी आर्थिक संकेतकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश ने 7.7 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज कर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में विस्तार, औद्योगिक उत्पादन में तेजी, मजबूत जीएसटी संग्रह और बढ़ते पूंजीगत व्यय ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 7 फीसदी थी। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, खपत और निवेश में सुधार के कारण दर्ज की गई। राजकोषीय अनुशासन पर भरोसा...सरकार को भरोसा है कि पश्चिम एशिया संकट के बाद कच्चे तेल और उर्वरकों की कीमतों में आई नरमी से वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे के लक्ष्य (जीडीपी का 4.3त्न) को हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों ने भी मजबूती दिखाई। औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेज होने से बिजली की मांग मई में 11.2 फीसदी बढ़ी। बंदरगाहों पर माल ढुलाई वृद्धि दर 6.6 फीसदी पहुंच गई। वाहनों की मांग में भी तेजी बनी रही। गावों में वाहनों की बिक्री मई में 7.8 फीसदी बढ़ी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत है।

जीएसटी और कर संग्रह में मजबूती

जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 फीसदी बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि 17 जून तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 फीसदी बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रहा। मई में ई-वे बिल जनरेशन 10.9 फीसदी बढ़ा।

बुनियादी ढांचे पर निवेश बढ़ा

अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय बढ़कर 2.51 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से करीब 29,650 करोड़ अधिक है। अकेले भारतीय रेलवे ने 84,000 करोड़ से अधिक खर्च किया।

विनिर्माण व सेवा क्षेत्र का विस्तार

जून 2026 में एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 54.2 पर रहा। लगातार 37वें महीने यह 50 के ऊपर बना हुआ है, जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत है। सेवा क्षेत्र भी आर्थिक वृद्धि का प्रमुख आधार बना। नए ग्राहकों की संख्या बढ़ने, मांग में सुधार और निर्यात ऑर्डरों में बढ़ोतरी से गतिविधियां तेज हुई हैं। औद्योगिक उत्पादन पांच महीने के उच्च स्तर पर देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मई 2026 में बढ़कर 5.1 फीसदी हो गया, जो पांच महीनों का उच्चतम स्तर है। मोटर वाहन, इलेक्ट्रिक उपकरण और बेसिक मेटल उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

सिस्टम को चट कर रहीं दीमक !

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़.

तड़क - भड़क और एशो आराम से भरी चमचमाती दुनिया में हर इंसान को प्यारी है कुर्सी । यह एक ऐसी आरामदायक चीज है जिस पर बैठने वाला जरूरी नित्यकर्म के लिए ही उससे उतना चाहता है ! यदि मै यह कहूं कि कुर्सी नामक यह चीज अन्य चीजों से भव्य आवरण रखती है तो गलत नहीं होगा । राज सिंहासन से लेकर सरकारी दफ्तरों की वह कुर्सी जो व्हील चेयर कहलाती है , उसमें विराजमान व्यक्ति के प्रभुत्व का प्रदर्शन कर रही होती हैं । इन कुर्सियों की ताकत का अनुभव कर अच्छे - अच्छों के पैर डगमगा जाते हैं ! देखा जाए तो इन कुर्सियों का निर्माण लकड़ी से ही किया जाता है , किंतु कहीं - कहीं लोहे की कुर्सी भी बना दी जाती है । इन कुर्सियों को एक विशेष प्रकार का अदना सा जीव ऐसे चट कर जाता है , जैसे उसका निर्माण उसी के लिए किया गया हो ! उस छोटे से अदने को हम ÷ दीमक ÷ के नाम से पहचानते हैं । सामान्य सा दिखने वाला सफेद जीव (दीमक) लकड़ी को खा जाता है , किंतु कुर्सी का दीमक बड़ा ही ताकतवर , अलग - अलग कद - काठी का और वी आई पी श्रेणी का होता है । कुर्सी का दीमक पद , अहंकार और भ्रष्टाचार के लिबास के साथ जैसे ही कुर्सी पर विराजमान होता है , समाज को धीरे - धीरे खोखला करने लगता है ! प्रकृति में पैदा होने वाले कीट , दीमक की तरह कुर्सी का दीमक बाहर से नहीं आता । यह कुर्सी में ही पलता है । फाइलों में पनपता है । योजनाओं को खाता है और चाटुकारों को पालता है !

कुर्सी और दीमक का रिश्ता बहुत पुराना और प्रगाढ़ है । कुर्सी में बैठने से पहले वह आम आदमी बड़ा ही सरल और ईमानदारी के मामले में राजा हरिश्चंद्र का वंशज लगता है । जैसे ही उसे कुर्सी मिलती है , अचानक उसकी रीढ़ की हड्डी सीधी हो जाती है ! वह झुकता तो है , किंतु अपने स्वार्थ के लिए । वह चापलूसी में बड़ा माहिर होता है ! यहीं से शुरू होती है कुर्सी के दीमक की 56 भोग वाली दावती यात्रा ! कुर्सी रूपी दीमक धीरे - धीरे उस पर बैठे व्यक्ति के फैसलों , उसकी नैतिकता और उसकी इंसानियत को चट करना शुरू कर देती है ! कुर्सी की मदहोशी में डूबा वह ताकतवर अधिकारी यह गलत फहमी पाल बैठता है कि वह बहुत मजबूत स्थिति में है । इस बात को दीमक भी जानता है कि यदि उसने कुर्सी को पूरी तरह से खोखला कर दिया तो उसका अपना अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा । इसलिए वह कुर्सी के बाहरी आवरण को चमचमा ही रहने देता है ! जो अधिकारी कुर्सी की इस दीमक को पहचान लेता है वह समय रहते इसका इलाज भी ढूंढ लेता है और वही बड़ा बाजीगर कहलाता है । दूसरी ओर इस पर विराजमान व्यक्ति ने यदि इन्हें नहीं पहचाना तो इतिहास गवाह है कि आलीशान कुर्सियां दीमकों द्वारा ताश के पत्तों की तरह ढहा दी जाती हैं ! ऐसी कुर्सी की माया ही निराली है । लकड़ी का दीमक तो सिर्फ फर्नीचर को बर्बाद करता है , किंतु कुर्सी का दीमक देश के सिस्टम को ही चट कर जाता है !

भारतवर्ष की राजनीति में विचारधाराओं की स्पष्ट लड़ाई नजर आ रही है । एक तरफ उन लोगों का झुंड है जिन्होंने दशकों तक सत्ता का सुख भोगा , किंतु देश की जड़ों को भ्रष्टाचार , तुष्टिकरण और परिवारवाद रूपी दीमक के सहारे खोखला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी ! दूसरी तरफ ऐसे लोगों का संगठन दीमकों को खत्म करने की दवाई के रूप में काम कर रहा है , जिससे इन दीमकों को लोकतंत्र के भवन में सेंध लगाने का अवसर ही न मिल पाए । राजनीति के मैदान में हम इसे सत्ता की लड़ाई नहीं मानते बल्कि स्वर्णिम भारत के निर्माण में दशकों से लगे दीमकों को खत्म करने की बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं । एक ओर विनाशकारी ÷ दीमक ÷ वाली राजनीति पुनः सत्ता के गलियारे से लोकतंत्र के मंदिर में घुसना चाहती है , तो दूसरी ओर देश को विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में स्थान दिलाने वाली ÷ इलाज ÷ रूपी राजनीति इन्हें लोकतंत्र के मंदिर को चट करने से रोकने प्रतिबद्ध है । हम सब यह जानते हैं कि दीमक कभी भी सामने आकर वार नहीं करती ! वह भीतर ही भीतर दीवार अथवा फर्नीचर को खाती रहती है ! हमारे देश की राजनीति भी कुछ ऐसी ही है । कुछ लोग सीधे तौर पर विकास का मार्ग नहीं रोकते । धीरे - धीरे योजनाओं और सिस्टम की नींव को खोखला करते रहते हैं ! जब हमें इनकी करतूत का आभास होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है ! बाहर से मजबूत दिखने वाली इमारत अंदर से खोखली हो चुकी होती है !

दीमक हमेशा अंधेरे और नमीं वाली जगहों पर अपना आशियाना बनाती है । राजनीति में दीमक रूपी भ्रष्टाचार हमेशा फाइलों के भीतर , फाइलों की लालफीताशाही और गुप्त सौदों की नमीं में ही तेजी के साथ फलती - फूलती है ! सत्ता का सुख भोगने के बाद उसके रस में डूबे नेता दीमक की तरह कुर्सी से ऐसे चिपक जाते हैं , कि उन्हें वहां से निकालना लगभग असंभव हो जाता है ! कुर्सी चाहे कितनी भी पुरानी हो या जर्जर ही क्यों न हो , वे उसे छोड़ने के बजाए उसीको अपना घर बना लेते हैं ! लकड़ी का रंग कुछ भी हो । दीमक का रंग एक ही होता है । राजनीतिक दीमक का कोई रंग - रूप , जाति या धर्म नहीं होता ! वे जब तक विपक्ष में होते हैं , अलग तरह की बात करते हैं लेकिन सत्ता में आते ही उनकी कार्यप्रणाली पूरी तरह उसी दीमक के समान हो जाती है , जिससे हम और आप अपने घरों के फर्नीचर को बचाने का प्रयत्न करते रहते हैं ! आज भारतवर्ष का लोकतंत्र ठीक इसी खतरे के सामने खड़ा है । लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करने के प्रयास में अलग - अलग जमीन के दीमक एक होने की जुगाड़ में हैं ताकि लोकतंत्र के मंदिर में घुसकर उसे चट कर सकें ! दीमक तभी अपने उद्देश्य में सफल होती है जब घर का मालिक अनजान या उदासीन हो । हम आज ऐसी ही कठिनाई से गुजर रहे हैं । देश की जनता चुपचाप अन्याय को सह रही है । विपक्ष पूरी तरह बिखरा हुआ है । अभी समय है यह देखने का कि हमारे अपने घर की खिड़की धीरे - धीरे क्यों बंद हो रही है ? जरूरत इस बात की है कि हम राजनीति के मैदान में यहाँ - वहाँ घुसे दीमकों को पहचान सकें और उन्हें अपने सिस्टम में घुसने से रोक सकें । अन्यथा इमारत तो बाहर से खूबसूरत और मजबूत दिखाई देती रहेगी , किंतु अंदर ही अंदर दीमक उसे खोखला करती रहेगी !

नकली डीएपी/खाद/बीज को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

कृषि विभाग के समक्ष ढोल,नगाड़े बजाकर किया विरोध प्रदर्शन

जगदलपुर बस्तर। जगदलपुर। आज संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा सरकार के संरक्षण में बिक रहे नकली डीएपी/खाद/बीज के खिलाफकिसानों की हितो की रक्षा व दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर कृषि विभाग कार्यालय जगदलपुर के समक्ष ढोल नगाड़ा बजाकर कुम्भकर्णीय नींद में सोई भाजपा सरकार को जगाने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया .... शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा साय सरकार ने छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने के बाद अब इसे भ्रष्टाचार का 'हब' बना दिया है।अन्नदाताओं की पीठ पर छुरा घोंपते हुए उन्हें मिट्टी से बना नकली डीएपी थमाया जा रहा है।भारत डीएपी' के नाम पर जो पोटाश और खाद बस्तर के बाजारों में खपाया जा रहा है, वह पूरी तरह से फर्जी और अमानक निकला है। किसानों के अनुभवों से यह साफ हो चुका है कि यह खाद सिर्फ मिट्टी और कंकड़ का मिश्रण है। बस्तर के मासूम और भोले-भाले किसानों के साथ ऐसा क्रूर मजाक कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।इस महा-फर्जीवाड़े की जड़ें बहुत गहरी हैं। नकली और अमानक खाद-बीज का यह काला साम्राज्य सिर्फ निजी दुकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि शासकीय लैंप्स और सहकारी समितियों के माध्यम से भी इसे धड़ल्ले से किसानों को थमाया जा रहा है। यह सीधे तौर पर बस्तर के कृषि ढांचे और किसानों की अर्थव्यवस्था को तबाह करने की बड़ी साजिश है। जो कांग्रेस पार्टी कभी होने नहीं देगी !भाजपा के बड़े चेहरों के संरक्षण में चल रहा करोड़ों रुपये का यह काला खेल धड़ल्ले से फल-फूल रहा है,जिसके कारण जिम्मेदार अधिकारी भी आंखें मूंदे बैठे हैं। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने साय सरकार और जिला प्रशासन से प्रमुख मांग करती है कि इस पूरे फर्जीवाड़े की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए जिसमें समस्त शासकीय व निजी लैंप्स और सभी कृषि केंद्रों की जांच हो ताकि इसमें शामिल सफेदपोश चेहरों का पर्दाफाश हो सके।नकली डीएपी और बीज की सप्लाई करने वाली कंपनियों और इन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर आपराधिक मामला स्द्धक्र दर्ज कर सख्त कार्रवाई हो।जिन किसानों की फसलें इस नकली खाद-बीज के कारण प्रभावित हुई हैं,उन्हें सरकार तुरंत उचित मुआवजा दे। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस नकली खाद-बीज के काले कारोबार पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया और दोषियों को जेल नहीं भेजा गया,तो बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के हक के लिए उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रदर्शन में शामिल हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता लखेश्वर बघेल ने कहा प्रदेश सरकार पर किसानों की लगातार उपेक्षा कर रही है,खरीफ सीजन के सबसे महत्वपूर्ण समय में किसान खाद और बीज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। किसान सुबह से देर शाम तक सहकारी समितियों और खाद केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है मिट्टी से बना नकली डीएपी थमाया जा रहा है।भारत डीएपी' के नाम पर जो पोटाश और खाद बस्तर के बाजारों में खपाया जा रहा है, वह पूरी तरह से फर्जी और अमानक निकला है। किसानों के अनुभवों से यह साफ हो चुका है कि यह खाद सिर्फ मिट्टी और कंकड़ का मिश्रण है। जो कि किसानों के साथ बेहद निंदनीय है! जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की सरकार किसानों के साथ लगातार छलावा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान डीएपी खाद लेने के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें असली खाद के नाम पर मिट्टी जैसी बेगुणवत्ता वाला डीएपी उपलब्ध कराया जा रहा है।

भाजपा महिला नेत्री सुनीता साहू बनी किरंदुल पालिका में एल्डरमैन

किरंदुल। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बस्तर संभाग के नगरीय निकायों में एल्डरमैन मनोनीत पार्षद की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया है। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद किरंदुल के लिए किरंदुल की महिला भाजपा नेत्री सुनीता साहू को भी एल्डरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। शासन द्वारा नगर पालिका परिषद किरंदुल के लिए कुल पांच एल्डरमैन मनोनीत किए गए हैं। इनमें सुनीता साहू, संजीव दास, शेख नजमुल हक, जोशना सवाई, और पी. श्रीनू को मनोनीत पार्षद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उल्लेखनीय हैं कि भाजपा नेत्री सुनीता साहू उस समय से किरंदुल भाजपा में सक्रिय रही है जब एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के क्षेत्र में महिलाएं भाजपा संगठन में जुड़ने से परहेज किया करती थी। परंतु किरंदुल परियोजना के क्षेत्र में भाजपा नेत्री सुनीता साहू के जुड़ने के बाद से एनएमडीसी में निवासरत निवासियों का भी भाजपा के प्रति रुझान बढ़ने लगा जिस कारण लोकसभा चुनाव ,विधानसभा चुनावों के साथ साथ नगरीय निकाय के चुनावों में भी भाजपा को पूर्ण बहुमत से जीत हासिल हुई ।विदित हो कि भाजपा नेत्री साहू ने किरंदुल महिला भाजपा मंडल के पदो में दायित्व के साथ साथ वर्तमान समय में जिला भाजपा महिला संगठन में भी जिला मंत्री के पद को निभा रही है । भाजपा नेत्री सुनीता साहू सहित सभी नवमनोनीत एल्डरमैन शेख नजमुल हक, जोशना सवाई, संजू दास और पी.श्रीनू की नियुक्ति पर भाजपा मंडल किरंदुल, जिला भाजपा दंतेवाड़ा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती हेतु 20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना जगदलपुर शहरी के अन्तर्गत ठाकुर अनुकूलदेव वार्ड केंद्र क्रमांक 01 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक और योग्य महिला उम्मीदवार सोमवार 20 जुलाई को रात्रि 12बजे तक आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में सीधे कार्यालय में या पंजीकृत डाक द्वारा भेजे गए आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पद के लिए पात्रता की बात करें तो आवेदिका की आयु सूचना पत्र जारी होने की तिथि यानी 06 जुलाई 2026 को 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, हालांकि पूर्व अनुभव रखने वाली कार्यकर्ताओं या सहायिकाओं को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही, आवेदिका का उसी वार्ड का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है जहाँ आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है, जिसके प्रमाण के लिए मतदाता सूची में नाम अथवा वार्ड पार्षद या पटवारी द्वारा जारी स्पष्ट पते वाला निवास प्रमाण पत्र मान्य होगा।

कोसा बीज केंद्र मोदकपाल से 5,700 तसर स्वस्थ डिम्ब समूहों का वितरण

रेशम विभाग की योजना से हितग्राहियों को 79,800 रुपए की सब्सिडी, तसर पालन से बढ़ेगी आय

बीजापुर। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत बीजापुर जिले में रेशम विभाग द्वारा संचालित कोसा बीज केंद्र, मोदकपाल में तसर पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हितग्राहियों को 5,700 तसर स्वस्थ डिम्ब समूहों का वितरण किया गया। इन डिम्ब समूहों की कुल लागत 91,200 रुपए रही। इसमें राज्य शासन ने 79,800 रुपए की सब्सिडी प्रदान की, जबकि हितग्राहियों से केवल 11,400 रुपए का अंशदान लिया गया। इससे कम लागत में गुणवत्तायुक्त तसर बीज उपलब्ध कराकर तसर पालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के लोगों की आय बढ़ाना तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए गुणवत्तायुक्त स्वस्थ डिम्ब समूहों से बेहतर उत्पादन की संभावना है। इससे हितग्राही वैज्ञानिक तरीके से तसर पालन कर अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। रेशम विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार, वितरित डिम्ब समूहों से लगभग 2 लाख कोसों का उत्पादन होने का अनुमान है। इससे न केवल हितग्राहियों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि जिले में तसर उत्पादन को भी नई गति मिलेगी। रेशम विभाग ने बताया कि राज्य शासन की अनुदान आधारित योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को कम लागत पर गुणवत्तायुक्त तसर बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और आवश्यक सहयोग भी लगातार दिया जाएगा, ताकि तसर पालन को बढ़ावा मिले और ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित हों।

हरे-भरे शाल के जंगलों पर कुल्हाड़ी का वार, गर्डलिंग कर सुखाए जा रहे पेड़; ग्रामीणों ने उठाए सवाल

जगदलपुर (बस्तर)/ कोंडागांव/माकड़ी - कोंडागांव जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत ओडारगांव के घने शाल वनों में कथित रूप से हरे-भरे पेड़ों को पहले गर्डलिंग (तने की चारों ओर की छाल हटाकर) सुखाने और बाद में काटने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस तरीके से बहुमूल्य शाल वृक्षों की अवैध कटाई की जा रही है, जिससे वन संपदा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार कई शाल वृक्षों के तनों की चारों ओर से छाल निकाल दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार गर्डलिंग से पेड़ों तक पोषक तत्वों का प्रवाह रुक जाता है, जिससे कुछ समय बाद वे सूख जाते हैं। इसके बाद सूखे पेड़ों को काटकर ले जाना आसान हो जाता है। यदि जांच में यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह वन संरक्षण संबंधी कानूनों के गंभीर उल्लंघन का मामला हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मुद्दे को पहले भी समाचारों के माध्यम से उठाया गया था, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कटाई का सिलसिला जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्रवाई के अभाव में जिम्मेदारों की उदासीनता से वन माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं। शाल के जंगल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को प्रभावित करने, भूजल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकने और वन्यजीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा स्थानीय आदिवासी और ग्रामीण समुदाय की आजीविका भी काफी हद तक इन वनों पर निर्भर है। ऐसे में जंगलों का लगातार विनाश पर्यावरण और भविष्य दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि ओडारगांव के जंगलों का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, गर्डलिंग और अवैध कटाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही वन क्षेत्रों की नियमित निगरानी बढ़ाकर बहुमूल्य वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि हरे-भरे शाल वृक्षों को पहले गर्डलिंग कर सुखाया जा रहा है और बाद में काटा जा रहा है, तो जिम्मेदार विभाग की निगरानी व्यवस्था आखिर कहाँ है? क्या समय रहते ठोस कार्रवाई कर इन जंगलों को बचाया जाएगा, या प्रकृति यूँ ही कुल्हाड़ियों के हवाले होती रहेगी?

अबूझमाड़ के जंगलों में महकेगी कॉफी, बस्तर में कृषि-क्रांति की तैयारी, ओडिशा के कोरापुट में ट्रेनिंग लेंगे अधिकारी

नारायणपुर । छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बेहद अनूठी पहल की है। बस्तर के इस अंचल में अब बड़े पैमाने पर कॉफी की खेती प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर नारायणपुर ने भारत सरकार के कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञों के साथ कुतुल, कच्चापाल, कोडलियार, ईरकभट्टी और तोके सहित आस-पास के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का विस्तृत जमीनी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञ दल ने क्षेत्र की जलवायु, वार्षिक वर्षा, तापमान, मिट्टी की प्रकृति और समुद्र तल से ऊंचाई का गहन वैज्ञानिक अध्ययन किया। बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अबूझमाड़ का प्राकृतिक वातावरण कॉफी उत्पादन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। यहाँ 'कॉफी आधारित कृषि वानिकी मॉडल' विकसित कर बड़े पैमाने पर स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कॉफी के पौधों का करीब चार वर्षों तक रख-रखाव करने के बाद व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाता है।

दो-दो सीएमओ की मौजूदगी के बावजूद नहीं सुधरी व्यवस्था, कांजी हाउस में तड़प रहे बेजुबान

केशकाल। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर स्थित केशकाल नगर क्षेत्र में आवारा मवेशियों की समस्या अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा और पशु संरक्षण दोनों के लिए गंभीर चिंता का कारण बन चुकी है। नगर के प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिन-रात बड़ी संख्या में मवेशी सड़क पर बैठे रहते हैं। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई मवेशी वाहनों की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं, वहीं उन्हें बचाने की कोशिश में वाहन चालक भी हादसों का शिकार हो रहे हैं। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम उठता नजर नहीं आ रहा है। बता दें कि नगर पंचायत कार्यालय के पीछे स्थित कांजी हाउस का दृश्य बेहद चिंताजनक है। परिसर में कई मवेशी गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े थे, जबकि कई बीमारी और कमजोरी से तड़पते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर उपचार और समुचित देखभाल नहीं मिलने से कई मवेशियों की मौत भी हो चुकी है। यदि यही स्थिति बनी रही तो और भी बेजुबान पशुओं की जान जा सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर पंचायत में वर्तमान में दो-दो मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पदस्थ हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो राष्ट्रीय राजमार्ग और नगर की सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने की प्रभावी व्यवस्था दिखाई दे रही है और न ही कांजी हाउस में रखे गए पशुओं की समुचित देखभाल हो रही है। नगर पंचायत केशकाल के प्रभारी सीएमओ देवेश चंदेले ने कहा कि नगर पंचायत द्वारा प्रतिदिन गश्ती वाहन के माध्यम से नगर क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। साथ ही मवेशी पालकों से लगातार अपील की जा रही है कि वे अपने पशुओं को घर में रखें और उन्हें सड़क पर आवारा न छोड़ें, ताकि दुर्घटनाओं और इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। नगर पंचायत इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। जैसे ही कहीं घायल मवेशियों की सूचना मिलती है, नगर पंचायत की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर उनका उपचार कराती है। उन्होंने कहा कि कांजी हाउस की बदहाल व्यवस्था का मामला आपके माध्यम से संज्ञान में आया है, जिस पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए जल्द ही वहां की व्यवस्थाओं में सुधार कराया जाएगा।

स्कूल जतन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप, जेसीसीजे ने जांच की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

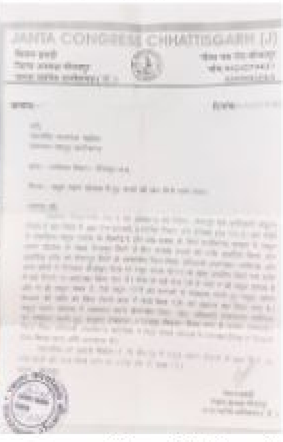

JANTA CONGRESS CHHATTISGARH (J)

बीजापुर। स्कूल जतन योजना के तहत जिले में हुए कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर सोमवार को जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल घनेलिया सहित अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। जिला अध्यक्ष विजय झाड़ी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि आदिवासी बहुल बीजापुर जिले में स्कूल भवनों के मरम्मत और रखरखाव के लिए शासन ने स्कूल जतन योजना के तहत करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत की थी, लेकिन योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं। ज्ञापन में दावा किया गया है कि जिले के कई गांवों में स्कूल भवन नहीं हैं या स्कूल संचालित नहीं हो रहे हैं, इसके बावजूद अभिलेखों में स्कूल संचालित दर्शाकर योजना की राशि आहरित कर ली गई। जेसीसीजे ने आरोप लगाया है कि कई मामलों में बिना कार्य कराए ही भुगतान किया गया। पार्टी ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने के साथ दोषी अधिकारियों एवं संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान रमेश हमला, राजू तेलम, संगीता मांडवी, सुकराम पोयम सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

स्कूल जतन योजना में करोड़ों रुपए की अनियमितता का आरोप। तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल घनेलिया की भूमिका की जांच की मांग। कई गांवों में स्कूल नहीं होने के बावजूद राशि आहरित करने का दावा।बिना कार्य कराए भुगतान किए जाने का आरोप।राज्यपाल से उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग।

डुमरीपालनार में सीआरपीएफका निःशुल्क चिकित्सा शिविर, ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बांटी दवाइयां

बीजापुर।नक्सल प्रभावित डुमरीपालनार क्षेत्र में तैनात 85वीं बटालियन सीआरपीएफने सोमवार को ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर में डुमरीपालनार सहित पटेलपारा, सरपंचपारा, परगेमपारा और थिलमपारा के ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा आवश्यक दवाइयां प्राप्त कीं। शिविर में बटालियन के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही ग्रामीणों को बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों, दूषित पानी से होने वाले संक्रमण और बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की अपील करते हुए स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के महत्व पर भी जोर दिया गया। 85वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बटालियन बीजापुर में तैनाती के बाद से लगातार अंदरूनी इलाकों में चिकित्सा शिविर और जनहित के कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिससे ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के बीच आपसी विश्वास मजबूत हो रहा है। चिकित्सा शिविर के दौरान सहायक कमांडेंट शिवांशु शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सहित कंपनी के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे दूरस्थ क्षेत्र के लिए उपयोगी पहल बताया।

संक्षिप्त समाचार

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 1 आवेदक के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि मस्तुरी ब्लॉक के शासकीय हाई स्कूल कुकदीकला में व्याख्याता के पद पर कार्यरत स्व. श्री प्रशांत कोन्हेर के परिवार से उनकी पुत्री सुरभी कोन्हेर ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग प्रथम तल में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

ढाबे में तलवार लेकर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, सकरी पुलिस ने हथियार किया जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र में ढाबे के बाहर तलवार से हमला कर मारपीट करने और वाहन में तोड़फोड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक तलवार भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, पंजाब निवासी मख्खन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई कि वह रायगढ़ से ट्रेलर में लोहा लोड कर पंजाब लौट रहा था। 5 जुलाई को दोपहर करीब 12 बजे वह खाना खाने के लिए संबलपुरी स्थित खालसा ढाबा जा रहा था। इसी दौरान ढाबे के पास हरप्रीत सिंह उर्फहैप्पी का कुछ लोगों से विवाद हो रहा था। शिकायतकर्ता, दरबारा सिंह और इशाक खान बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद वह ढाबे से तलवार लेकर आया और दरबारा सिंह तथा इशाक खान पर तलवार के चपटे हिस्से से हमला कर दिया। हमले में दरबारा सिंह की पीठ और इशाक खान के सिर में चोटें आईं। आरोप है कि आरोपी ने शिकायतकर्ता और इशाक खान के वाहन के शीशे भी तोड़ दिए तथा तलवार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। मामले में सकरी थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 637/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय सँहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(3), 324(4) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला पंजीबद्ध किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक (सिविल लाइन) निमितेश सिंह परिहार के मार्गदर्शन में सकरी थाना पुलिस ने डायल-112 की सहायता से आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तलवार जब्त कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आरोपी मूल रूप से तरनतारण (पंजाब) का निवासी है और वर्तमान में संबलपुरी स्थित खालसा ढाबा के पास रह रहा था।

5 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म मामले में दो किशोरों को 3 साल के लिए भेजा गया सम्प्रेषण

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के थाना कोनी में 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में दोषी पाये गये 2 किशोरों को किशोर न्याय बोर्ड ने 3 साल के सजा सुनाते हुए सम्प्रेषण गृह भेजा है। नया दे कि माह मार्च 2024 में थाना कोनी में एक 5 वर्षीय बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने संबंधी रिपोर्ट दर्ज की गई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत तरीके से विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पीड़िता एवं अन्य गवाहों के कथन दर्ज किए गए, आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दो विधि से संघर्षरत किशोरों को अभिरक्षा में लेकर उनका भी चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। सम्पूर्ण विवेचना उपरांत दोनों विधि से संघर्षरत किशोरों के विरुद्ध भारतीय दण्ड सँहिता, 1860 की धारा 376(डी)(बी) तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 4, 5(आई), 5(एम) एवं 6 के अंतर्गत अभियोग पत्र माननीय किशोर न्याय बोर्ड, बिलासपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विचारण के उपरांत किशोर न्याय बोर्ड, बिलासपुर ने अपने निर्णय में उल्लेख किया कि विवेचना अधिकारी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर की गई सम्पूर्ण विवेचना विधिसम्मत, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित पाई गई तथा विवेचना में किसी प्रकार का लोप या कमी परिलक्षित नहीं हुई।

किचन में चाय बनाते समय करंट की चपेट में आई महिला, मौके पर मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम हरदी कला में सोमवार सुबह करंट लगने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह रोज की तरह अपने घर के किचन में चाय बना रही थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान आशा देवी रजक (40) के रूप में हुई है। सुबह चाय बनाते समय जैसे ही उन्होंने किचन के टीन शेड को छुआ, उसमें प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आ गईं।

18 जुलाई को होगा जिला स्तरीय महावृक्षारोपण, 10 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य

जिले में एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं रहेगा

■ टीएल बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन, खेती किसानी की प्रगति की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं एवं प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं होना चाहिए तथा शिक्षा, जनकल्याण, शिकायत निवारण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के एकल शिक्षक विद्यालयों की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्तमान में ऐसे 11 विद्यालय हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी शालाओं में स्मार्ट टीवी एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र केवाईसी कराने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी स्वयं हितग्राहियों को बैंक तक ले जाकर उनकी प्रक्रिया पूरी कराएं, ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन का औपचारिक या एकतरफा निराकरण न करें। आवेदक से चर्चा कर उसकी समस्या का सार्थक

समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने हेल्पलाइन पोर्टल का प्रतिदिन सुबह और शाम निरीक्षण करने तथा शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। वर्षा ऋतु में प्रस्तावित पौधरोपण अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि जिले में इस वर्ष 10 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। आगामी 18 जुलाई को जिला स्तरीय विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वन विभाग द्वारा 8 लाख 17 हजार तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा 2.31 लाख पौधे तैयार रखे गए हैं। कलेक्टर ने बड़े आकार के पौधों का रोपण करने, शहर से लगे क्षेत्रों एवं छोटे झाड़ वाले जंगलों को प्राथमिकता देने तथा पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने से अधिक महत्वपूर्ण उनका संरक्षण ज्यादा जरूरी है। कलेक्टर ने विधानसभा सत्र के सिलसिले में तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को ध्यानाकर्षण एवं प्रश्नों से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होते ही छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों का शीघ्र पंजीयन कराने पर बल दिया, ताकि उन्हें समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि गत वर्ष आई कठिनाइयों का समय रहते समाधान कर लिया जाए, ताकि इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।पीएम जनमन योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष रूप से बैगा एवं बिरहोर जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए उनके घर जाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई जाएं, ताकि उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

140 टिकट चेकिंग कर्मचारियों को उपलब्ध कराये गए बॉडी वॉर्न कैमरे

■ टिकट जांच होगी अधिक सुरक्षित और पारदर्शी

बिलासपुर। यात्रियों की सुरक्षा, टिकट जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा कर्मचारियों, विशेषकर महिला टिकट चेकिंग कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिलासपुर मंडल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सभी महिला टिकट चेकिंग कर्मचारियों सहित कुल 140 टिकट चेकिंग कर्मचारियों को बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह द्वारा पूर्व में 50 कर्मचारियों को बॉडी वॉर्न कैमरे प्रदान किए जा चुके थे। इसी क्रम में 04 जुलाई 2026 को 90 अतिरिक्त कैमरों का वितरण किया गया। बॉडी वॉर्न कैमरों के उपयोग से टिकट जांच के दौरान होने वाली गतिविधियों का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा, जिससे किसी भी विवाद की स्थिति में तथ्यों का निष्पक्ष सत्यापन संभव होगा। यह व्यवस्था यात्रियों और कर्मचारियों दोनों के हितों की रक्षा करते हुए टिकट जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय एवं प्रभावी बनाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि यह पहल विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। बिलासपुर मंडल आधुनिक तकनीक के माध्यम से यात्रियों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

एस.बी.आई. रेलवे सैलरी पैकेज के तहत मृतक कर्मचारी की पत्नी को प्रदान की गई आर्थिक सहायता

10 लाख का बीमा दावा भुगतान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के कार्मिक विभाग में आज भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत दिवंगत रेल कर्मचारी स्वर्गीय मनहरण लाल कमल, पूर्व ट्रैक मेंटेनर, की धर्मपत्नी को ?10 लाख की बीमा दावा राशि प्रदान की गई। यह बीमा दावा भुगतान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल एवं भारतीय स्टेट बैंक के मध्य अक्टूबर 2024 में संपन्न हुए समझौता ज्ञापन (रूभ) के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही रेलवे सैलरी पैकेज योजना का हिस्सा है। इस योजना के तहत

एसबीआई में वेतन खाता रखने वाले रेल कर्मचारियों को विभिन्न नि:शुल्क बीमा सुविधाओं सहित अनेक वित्तीय लाभ प्रदान किए जाते हैं। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू. एस. एस. राव, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा, कल्याण निरीक्षक श्री राहुल मजूमदार, एसबीआई के प्रबंधक श्री अंकुश गुप्ता, श्रीमती टीना जोशी तथा श्री मृत्युंजय वर्मा सहित रेलवे एवं बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रेलवे सैलरी पैकेज योजना का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि किसी आकस्मिक अथवा दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सके।

बिलासपुर रेलवे मंडल में संरक्षा विभाग द्वारा फायर फाइटिंग एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण अभियान सतत जारी

■ प्रशिक्षण संस्थानों, स्टेशनों, लॉबियों एवं रनिंग रूम में कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन के लिए किया जा रहा है प्रशिक्षित

बिलासपुर। रेलवे में संरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी को किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना भी इसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल का संरक्षा विभाग पूरे मंडल में फायर फाइटिंग एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण अभियान निरंतर संचालित कर रहा है। संरक्षा विभाग के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिक लोको ट्रेनिंग सेंटर (ELTC), मल्टी डिसिप्लीनरी डिवीजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (MDDTI) तथा मल्टी डिसिप्लीनरी जोनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (MDZTI) में नियमित रूप से व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह अभियान सभी रेलवे स्टेशनों, रनिंग रूम एवं क्रू लॉबियों में भी सतत रूप से चलाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक कर्मचारी आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका निभा सके। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के सुरक्षित उपयोग, विभिन्न प्रकार की आग पर नियंत्रण, सुरक्षित निकासी (Evacuation), राहत एवं बचाव कार्य, सीपीआर (CPR), रक्तस्राव नियंत्रण, जलने तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही कर्मचारियों को आपदा के समय त्वरित निर्णय, समन्वित कार्यवाही तथा यात्रियों की सुरक्षित निकासी के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। संरक्षा विभाग समय-समय पर मॉक ड्रिल, फायर सेफ्टी अभियान एवं आपदा प्रबंधन अभ्यास आयोजित कर कर्मचारियों की दक्षता को निरंतर सुदृढ़ बना रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक कर्मचारी को एक सक्षम प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता (First Responder) के रूप में विकसित करना है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। रेलवे में सुरक्षा जागरूकता और नियमित प्रशिक्षण ही प्रभावी आपदा प्रबंधन की आधारशिला है। संरक्षा विभाग का लक्ष्य प्रत्येक कर्मचारी को तकनीकी रूप से दक्ष एवं आपदा प्रबंधन के लिए सदैव तैयार रखना है।

आरक्षकों की पदोन्नति पर हाईकोर्ट की रोक

■ अगली सुनवाई तक अंतिम प्रमोशन आदेश जारी नहीं होगा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य में पुलिस आरक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पुलिस विभाग पदोन्नति की विभागीय प्रक्रिया जारी रख सकता है, लेकिन अगली सुनवाई तक किसी भी आरक्षक का अंतिम पदोन्नति आदेश जारी नहीं किया जाएगा। यह अंतरिम आदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की एकलपीठ ने आरक्षकों की वरिष्ठता सूची में नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याचिकाकर्ता सुरेंद्र कुमार देशमुख ने राज्य शासन सहित अन्य पक्षकारों के खिलाफयाचिका दायर कर पुलिस मुख्यालय (क्रात) द्वारा स्वेच्छा से दूसरे जिलों में स्थानांतरण लेने वाले आरक्षकों की वरिष्ठता तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। याचिका में कहा गया है कि 'छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिक बल, आरक्षक (भर्ती, पदोन्नति और सेवा की शर्तें) नियम, 2007' के अनुसार यदि कोई आरक्षक अपने अनुरोध पर दूसरे जिले में स्थानांतरित होता है तो उसे नए जिले की वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा जाना चाहिए। लेकिन पुलिस विभाग कथित रूप से इस नियम का पालन किए बिना ऐसे आरक्षकों की वरिष्ठता उनके नए जिले में पदस्थापना की तारीख के बजाय मूल नियुक्ति तिथि से जोड़कर पदोन्नति पर विचार कर रहा है। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और संबंधित नियमों का अवलोकन करने के बाद हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कहा कि विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया जारी रह सकती है, लेकिन किसी भी कर्मचारी का अंतिम प्रमोशन आदेश अगली सुनवाई तक जारी नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने मामले में सभी पक्षकारों को नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई में वरिष्ठता निर्धारण और पदोन्नति प्रक्रिया की वैधानिकता पर विस्तृत विचार किया जाएगा।

किसानों से बिजली तक...दिशा की बैठक में विकास की बड़ी प्राथमिकताएं तय,केंद्रीय राज्य मंत्री साहू ने दिए जरूरी निर्देश

■ शिक्षा व्यवस्था सुधार, जैविक खेती को बढ़ावा और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर

बिलासपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद श्री तोखन साहू की अध्यक्षता में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जिले के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर आज चर्चा की गई। बैठक में किसानों, शिक्षा, बिजली व्यवस्था, स्वच्छता, जल संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। श्री साहू ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए उनका लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाएं। जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विधायक सर्वश्री श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्री अटल श्रीवास्तव, श्री दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सहित जनपद पंचायत, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष उपस्थित थे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। बैठक का संचालन करते हुए उन्होंने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की जिले में ताजा प्रगति से अवगत कराया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अँतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करें और स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करें। उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का शत-

प्रतिशत निराकरण करने कहा। स्मार्ट सिटी की एडवाइजरी समिति की बैठक आयोजित करने तथा जनप्रतिनिधियों को शामिल करते हुए स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। कृषि योजनाओं की समीक्षा करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करने एवं कृषि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से संवाद करने कहा। उपसंचालक कृषि ने बताया कि जिले के करमा, धौरामुड़ा, बरपाली, मंजूरपहरी, बम्हनीखुर्द, बिटकुली, बांका एवं कोरबी में जैविक फसल प्रदर्शन किया जा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने आत्मा योजना की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। शिक्षा व्यवस्था सुधारने बनाई जाए कार्ययोजना*शिक्षा की समीक्षा करते हुए श्री साहू ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए कार्ययोजना तैयार करने, प्राचार्यों की नियमित बैठक लेने और पालकों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है। बिजली व्यवस्था की समीक्षा करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि इस वर्ष लोगों को बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। आगामी वर्ष ऐसी स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए अभी से कार्ययोजना तैयार कर उसका गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाए।

दक्षिण दिशा को अशुभता से बचाने के सरल उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा को यमराज और मंगल की दिशा माना जाता है। यदि घर की दक्षिण दिशा ठीक से व्यवस्थित न हो, तो यह परिवार के सदस्यों की सेहत, करियर और धन संबंधी मामलों में बाधाएं ला सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि घर के दक्षिण कोने में वास्तु शास्त्र के अनुसार उपाय किए जाएं ताकि नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सके और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़े।

1. भारीपन और ऊंचाई का नियम
2. मुख्य द्वार का उपचार
3. रंगों का सही चुनाव
4. मंगल के उपाय और पौधों का प्रयोग
5. पानी के जमाव और गड्ढों से बचें

आज हम इस लेख में जानेंगे कि दक्षिण दिशा को अशुभता से बचाने के सरल और प्रभावी तरीके क्या हैं। इन उपायों में आप घर की सजावट, रंग, धातु की वस्तुएं, पूजा-पाठ और अग्नि तत्व का सही उपयोग कर सकते हैं।

1. भारीपन और ऊंचाई का नियम

दक्षिण दिशा को हमेशा उत्तर और पूर्व की तुलना में भारी और ऊंचा रखना चाहिए। इस दिशा में भारी अलमारियां, लोहे की तिजोरी या भारी फर्नीचर रखें। यदि संभव हो, तो दक्षिण की दीवार को अन्य दीवारों से थोड़ा ऊंचा उठाएं। यह घर की सकारात्मक ऊर्जा को बाहर जाने से रोकता है।

2. मुख्य द्वार का उपचार

यदि आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है विशेषकर दक्षिण-पश्चिम में), तो इसे अशुभ माना जाता है। द्वार पर पंचमुखी हनुमान जी का चित्र या 'सिद्ध सुदर्शन चक्र' लगाने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती। समाधान: दरवाजे के ऊपर बाहर की तरफ हनुमान जी की बैठी हुई मुद्रा वाली तस्वीर लगाएं।

3. रंगों का सही चुनाव

दक्षिण दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी है। यहां गलत रंगों का प्रयोग जीवन में संघर्ष बढ़ा सकता है। इस दिशा में लाल, नारंगी या गुलाबी रंगों का प्रयोग शुभ होता है।

क्या न करें: दक्षिण में नीला या काला रंग करवाने से बचें, क्योंकि यह जल का प्रतीक है और अग्नि-जल का मेल विवाद, झगड़ा, लड़ाई, मनमुटाव या गृह-क्लेश तथा कलह आदि पैदा करता है।

4. मंगल के उपाय और पौधों का प्रयोग

अशुभता कम करने के लिए प्रतीकात्मक बदलाव भी बहुत काम आते हैं। अत: दक्षिण दिशा के कोने में 'लेड पिरामिड' लगाने से वास्तु दोष काफी हद तक कम हो जाता है।

5. पानी के जमाव और गड्ढों से बचें

दक्षिण दिशा में पानी का स्रोत या गड्ढा होना सबसे बड़ा वास्तु दोष माना जाता है। यहां बोरवेल, सेप्टिक टैंक या स्विमिंग पूल न बनवाएं। यदि यहां गड्ढा है, तो उसे तुरंत भरवा दें। इस दिशा में बाथरूम बनाना भी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

पौधे: यहां बड़े और घने पत्ते वाले पौधे (जैसे मनी प्लांट का बड़ा रूप या रबर प्लांट) रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है।

विशेष टिप: दक्षिण दिशा की दीवार पर कभी भी दर्पण (शीशा) न लगाएं। दर्पण ऊर्जा को परावर्तित करता है, जिससे दक्षिण की नकारात्मकता पूरे घर में फैल सकती है।

बरसात में क्या खाएं और किन फूड्स से करें परहेज

बारिश के दौरान डाइजेशन स्लो हो जाता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट सही नहीं रखते हैं तो ब्लोटिंग, पेट में गैस, दर्द होना जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि मानसून में बैक्टीरिया फैलना की संभावना भी ज्यादा होती है जो खाने के जरिए शरीर में पहुंच जाते हैं। इस वजह से आपको खानपान को लेकर छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया है कि आपको इस मौसम में क्या खाना चाहिए और किस तरह के फूड्स से दूरी बनाना सही रहता है। मानसून में वायरल फ्लू, बुखार होना जैसे काफी मामले देखने में आते हैं। इसके अलावा डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं भी काफी बढ़ जाती हैं। इस दौरान न सिर्फ मौसमी फल-सब्जियों का सेवन करना जरूरी होता है, बल्कि हमेशा फ्रेश बना हुआ खाना ही बेहतर रहता है। चलिए जान लेते हैं कि कैसे रखें मानसून में खानपान।

हल्के डाइजेस्टिव फूड

बारिश के दिनों में ताजा बने खाने को ही खाएं। इसके अलावा आपको अपनी डाइट में मूंग दाल, वेजिटेबल खिचड़ी, रागी से बनने वाले कंफर्ट फूड जैसे डोसा, चीला, इडली, उपमा को शामिल करना चाहिए। एक्सपर्ट कहती है कि इस मौसम में अपनी डाइट में मिलेट्स को शामिल करें। ये भी आपकी गट को सही रखते हैं। इसके अलावा लौकी, तोरई, टिंडा जैसी हरी सब्जियां खाएं। ये पचाने में आसान होने के साथ ही न्यूट्रिएंट्स रिच भी होती हैं।

ये चीजें बूस्ट करेंगी इम्यूनिटी

बारिश के मौसम में होने वाले फ्लू, कफ-कोल्ड और डाइजेशन की प्रॉब्लम्स से बचने के लिए इम्यूनिटी सही होना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए काढ़ा और हर्बल चाय पीना सही रहता है। बरसात के दिनों में हल्दी, तुलसी बारिश में इम्यूनिटी को बूस्ट करने में हेल्पफुल है।

ये चीजें बिल्कुल भी न खाएं

मानसून में स्ट्रीट फूड तो बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। पानी पूरी (गोलगप्पे) को भी पूरी तरह से अवॉइड करें। दरअसल बाहर बनने वाले खाना ज्यादातर खुले में रहता है और इस वजह से इसमें कंटैमिनेशन (खाना दूषित हो जाना) की संभावना अधिक रहता है। फ्रिज में रखा बासी खाना खाने से भी परहेज करना जरूरी होता है।

ये फूड खाएं कम

एक्सपर्ट कहती है कि मानसून के मौसम में बहुत ज्यादा तेल वाले फूड भी खाने से बचें। इन्हें सीमित मात्रा में ही खाएं। जैसे डीप फ्राई फूड्स आलू फ्राइज, पकौड़े, और बहुत मिर्च-मसाले वाली डिशेज आपकी गट हेल्थ को डिस्टर्ब कर सकती हैं। पहले से ही इस मौसम में डाइजेशन स्लो होता है। इस वजह से आपको पाचन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं।

नॉनवेज खाने में रखें ध्यान

मानसून में सी फूड्स, रेड मीट को कम भी खाना चाहिए, क्योंकि बरसात के दौरान इसमें भी कंटैमिनेशन के चांस ज्यादा हो जाते हैं। एग्जांपल के तौर पर अगर आप चिकन या मछली बना रहे हैं तो वो बिल्कुल फ्रेश होना चाहिए। नॉनवेज को इस मौसम में बहुत तेल मसाले में बनाने की बजाय बॉयल करके कम मसालों में पकाकर खाना सही रहता है। खासकर ध्यान दें कि कच्चा या फिर सेमी कुक नॉनवेज बिल्कुल भी न खाएं।

कटहल के बीजों में पाए जाते हैं पोषक तत्व

कटहल को साउथ और पूर्वोत्तर में पके हुए फल की तरह खाते हैं तो वहीं इसे पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में कच्चा स ज़ी के रूप में खाया जाता है। कुछ लोग इसके बीजों को पकाने के दौरान या फिर फल से अलग कर देते हैं, लेकिन ये भी न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होते हैं और आपकी सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। जान लेते हैं कि कटहल के बीजों को आप डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं। कितने विटामिन-मिनरल्स हैं और कितने मिलेंगे इससे सेहत को फायदे। कटहल के गूदे के साथ ही इसके बीजों में विटामिन ए, सी से लेकर, कैल्शियम और आयरन तक पाया जाता है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी पोषक तत्व होते हैं। चलिए जान लेते हैं डिटेल के साथ।

कटहल के बीजों में पोषक तत्व

100 ग्राम कटहल के बीजों में 0.43 ग्राम प्रोटीन, 1.5 ग्राम फाइबर, 10 से 17 IU विटामिन ए, 11 मिलीग्राम विटामिन सी, 50 मिलीग्राम कैल्शियम, 54 मिलीग्राम मैग्नीशियम, 1.5 मिलीग्राम आयरन, 264 मिलीग्राम पोटेशियम, पाया जाता है। ये बी कॉम्प्लेक्स के विटामिन थायमिन, राइबोफ्लेविन का भी सोर्स है। इसमें कई और कंपाउंड भी पाए जाते हैं।

सीड्स को डाइट में कैसे करें शामिल?

कटहल के बीजों को डाइट में शामिल करना बेहद सिंपल है। आप भारतीय स्टाइल में इसकी सूखी सब्जी बना सकते हैं। इसके अलावा इसकी चटनी, बनाने से लेकर क्रिस्पी स्नैक्स तक बनाया जा सकता है। आप इसके चिप्स बनाकर एयर फ्राई करके खा सकते हैं।

स्टीम सीड्स को आप काटकर सलाद में डाल सकते हैं। सूप में एड कर सकते हैं। लहसुन, लेमन जूस, तिल के पेस्ट और ऑलिव ऑयल के साथ कटहल के बीजों को मिलाकर इसका हमस बना सकते हैं।

कटहल के बीजों के फायदे

कटहल के बीज का सेवन करने से वेट लॉस हो सकता है। ये ग्लूकोज टॉलरेंस में सुधार करता है, जिससे डायबिटिक लोगों के लिए फायदेमंद है।

इसके अलावा कटहल के बीज कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में हेल्प करते हैं। इसमें विटामिन सी भी होता है जो त्वचा की सेहत और इम्यूनिटी को इंप्रूव करने में हेल्पफुल है।

आज का राशिफल

मेष राशि - यदि आप अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखेंगे तो आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार, मित्र, जीवनसाथी और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

वृषभ राशि - स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आपको थोड़ा चिंतित कर सकती हैं। इलाज या दवाइयों पर अतिरिक्त खर्च होने की संभावना है। हालांकि प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। विवाहित लोगों को जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समय बिताने का अवसर मिलेगा और किसी करीबी से मुलाकात भी मन को प्रसन्न करेगी।

मिथुन राशि - प्रेम जीवन के लिए दिन अनुकूल रहेगा। अविवाहित लोगों को नए रिश्ते का प्रस्ताव मिल सकता है। यदि नया कारोबार शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो समय आपके पक्ष में है। धैर्य और निरंतर प्रयास से आपकी महत्वाकांक्षाएं पूरी होने की संभावना मजबूत रहेगी।

कर्क राशि - पुरानी संपत्ति से आर्थिक लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने का अवसर भी मिलेगा। हालांकि प्रेम संबंधों में सावधानी रखें, क्योंकि छोटी-सी बात विवाद का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ व्यवहार में संयम और समझदारी बनाए रखें।

सिंह राशि - कल का दिन उपलब्धियों से भरा रहेगा। कई क्षेत्रों में सफलता मिलेगी, लेकिन अपेक्षा से कम परिणाम मिलने पर निराश न हों। धैर्य बनाए रखें और आगे बढ़ते रहें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले माता-पिता और जीवनसाथी की सलाह लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

कन्या राशि - आपके भीतर छिपी प्रतिभा अब सामने आने का समय है। रचनात्मक सोच और नए विचार आपको सफलता की ओर ले जाएंगे। बिना सोचे-समझे किसी से वादा करने से बचें। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते में नई मिठास और नजदीकियां लेकर आएगा।

तुला राशि- नए प्रोजेक्ट और जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय विशेषज्ञों की सलाह लें। समय का सही प्रबंधन करें, क्योंकि छोटी देरी भी नुकसान पहुंचा सकती है। अपनी निजी और गोपनीय बातें किसी से साझा करने से बचें।

वृश्चिक राशि -समय आपके अनुकूल है, लेकिन नकारात्मक सोच आपकी प्रगति में बाधा बन सकती है। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए मुनाफा कमाने का अच्छा अवसर रहेगा। जीवनसाथी के साथ शांत और सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

धनु राशि-भाग्य के भरोसे बैठने के बजाय अपने प्रयासों पर विश्वास रखें। नौकरी में बड़ा अवसर मिलने के साथ प्रमोशन या वेतन वृद्धि के योग बन सकते हैं। सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में छोटी बातों को बढ़ने न दें, अन्यथा दूरियां बढ़ सकती हैं।

मकर राशि - साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है। संतुलित खान-पान अपनाएं और बाहर का भोजन कम करें। किसी परिचित व्यक्ति की वजह से परेशानी हो सकती है। समय की सही योजना बनाकर अनावश्यक कार्यों से बचें और जरूरी कामों को प्राथमिकता दें।

कुंभ राशि- रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा। करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे। आत्मविश्वास और ऊर्जा के बल पर आप महत्वपूर्ण कार्य पूरे करने में सफल रहेंगे। हालांकि ससुराल पक्ष से जुड़ी कोई बात मन को परेशान कर सकती है। अधिक चिंता करने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाएं और अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान दें।

मीन राशि- आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे। कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं। अचानक धन लाभ के योग बन सकते हैं। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतें और किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। विवाहित लोगों के लिए दिन सुखद रहेगा और पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

झमाझम बारिश में बनाएं पकौड़े

झमाझम बारिश की बूंदें बरस रही हो तो भारतीय घरों में तुरंत चाय-पकौड़े की फरमाइश होने लगती है। मानसून का मौसम आ चुका है तो आप भी तैयारी कर लीजिए इसका लुत्फ उठाने की। इस आर्टिकल में जानेंगे 6 अलग-अलग तरह के पकौड़ों के बारे में जो बारिश का मजा दोगुना कर देंगे।

बारिश में अगर प्याज की भजिया न बनाई तो फिर कुछ अधूरा सा लगता है। ये सबसे बेसिक पकोड़े हैं जो ज्यादातर घरों में बनते ही हैं। तो इस मानसून भी आप अपनी ये सबसे फेवरेट पकौड़ा को बारिश के दौरान जरूर बनाएं। बस बेसन में थोड़ी सी अजवाइन, चावल का आटा भी मिला लें। अजवाइन से डाइजेशन में हेल्प करने के साथ एक बढ़िया टेस्ट देगी और चावल का आटा पकौड़ों को क्रिस्प बनाता है।

आलू चिप्स के पकोड़े बहुत ज्यादा क्रिस्प न होकर एक सॉफ्ट टेक्सचर वाले होते हैं और यही इसके स्वाद की खासियत होती है। हरी चटनी और केचप के साथ आलू चिप्स के पकोड़े कमाल के स्वादिष्ट लगते हैं। इनके लिए ज्यादा तैयारी भी नहीं करनी पड़ती है। आलू को पतले-पतले चिप्स में काट लीजिए और बेसिक मसालों के साथ बेसन का गाढ़ा घोल बनाएं। इसमें आलू चिप्स को डिप करके मीडियम फ्लेम पर फ्राई कर लें।

मानसून का मजा हो जाएगा दोगुना

तीसरे नंबर पर मिर्ची के पकोड़े जो भारतीय घरों में खूब पसंद आते हैं। आप सिंपल मिर्च के पकौड़े भी बना सकते हैं और इसे आप मसालेदार आलू की फिलिंग के साथ तैयार करेंगे तो ये और भी ज्यादा टेस्टी लगते हैं। पकोड़े बनाने के लिए हमेशा मोटी वाली कम तीखी मिर्च का इस्तेमाल करना चाहिए।

मूंग दाल का पकौड़े भी मानसून में बेहतरीन ट्रीट होते हैं। इसे मार्केट में राम लड्डू के नाम से बेचा जाता है। हालांकि मूंग दाल को पहले से भिगोकर रखने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर पहले से ही बारिश का अलर्ट है तो दाल भिगोकर रख दें। इसे पीसकर इतना फेंट लें कि पानी में थोड़ी सी दाल डालें तो ये ऊपर तैरने लगे। इसके बाद इसके पकौड़े बनाएं। मूली के लच्छे, हरी चटनी के साथ सर्व करें। मानसून के सीजन में आप आलू बोंडा ट्राई कर सकते हैं। इसके लिए पहले आलुओं को उबाल लें। इसमें हींग, हरा धनिया, हरी मिर्च, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला, नमक, जैसे मसाले मिलाकर मैश कर लें। इसकी गोल बॉल्स बनाएं और बेसन-चावल के आटे के घोल में डिप करके फ्राई कर लें। ये वही पकौड़ा है जो वड़ा पाव में स्टफ किया जाता है।

पालक सर्दियों की सब्जी है लेकिन बारिश के मौसम में भी अब ये मार्केट में मिल जाती है। मानसून में पालक के पकौड़े का स्वाद कमाल का लगता है। क्रंच से भरपूर पालक पकौड़े हरी चटनी से लेकर चाय तक के साथ बेहतरीन लगते हैं। इस बारिश के मौसम में इसे एक बार जरूर ट्राई करें।

बिना मेकअप सांवली त्वचा को बनाएं खूबसूरत

जानिए रंगत निखारने के टिप्स

भारत में अभी भी अधिकतर लोग गोरी त्वचा को सुंदरता का पैमाना मानते हैं। अगर आपकी त्वचा की रंगत गोरी है तो ही आपको सुंदर माना जाता है, जबकि असल में स्वस्थ और दमकती त्वता ही सबसे खूबसूरत होती है। अगर आपकी त्वचा सांवली है तो इसे छिपाने की जरूरत नहीं, बल्कि सही तरीके से निखारने की जरूरत है। आज के समय में प्रदूषण, धूल मिट्टी, गलत खानपान और तनाव जैसी समस्याएं त्वचा की रंगत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ आसान और असरदार उपाय शामिल करें। सांवली त्वचा को निखारने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती है। आप घरेलू नुस्खों और सही लाइफस्टाइल से भी शानदार ग्लो पा सकती हैं। इस लेख के जरिए जानिए 5 ऐसे आसान और प्रभावी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को हेल्दी, ग्लोइंग और खूबसूरत बना सकते हैं

त्वचा को रखें साफ

त्वचा पर जमी धूल, पसीना और प्रदूषण रंग को दबा देते हैं। दिन में दो बार माइल्ड फेस वॉश करें। रात में सोने से पहले चेहरा जरूर साफ करें। हफ्ते में एक-दो बार एक्सफोलिएशन करें। डेड स्किन को बाहर निकालने के लिए हल्का स्क्रब जरूरी है। इससे त्वचा में निखार आता है। ध्यान रखें ज्यादा रगड़ने से चमक नहीं बढ़ती बल्कि स्किन को नुकसान हो सकता है।

घरेलू नुस्खे

आपकी रसोई ही असली स्किन क्लिनिक रही है। दही और हल्दी के फेस पैक से टैनिंग कम होती है और त्वचा मुलायम बनती है। वही बेसन और गुलाब जल को मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखारता है, साथ ही ऑयल कंट्रोल करता है। कच्चा दूध नेचुरल क्लींजर का काम करता है। एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक और ग्लो देता है। रोज नहीं लेकिन हफ्ते में 2-3 बार इनका इस्तेमाल करें। हालांकि उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

धूप से रंगत बिगड़ सकती है

सांवली त्वचा में मेलानिन ज्यादा होता है, फिर भी सनटैन और पिगमेंटेशन का खतरा रहता है। इसलिए रोज सनस्क्रीन जरूर लगाएं। 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। धूप में दुपट्टा या कैप इस्तेमाल करें। सूरज की रोशनी से सही दूरी जरूरी है।

मॉइस्चर बढ़ाएगा ग्लो

सूखी त्वचा कभी चमकती नहीं है। अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर का चुनाव करें। रात में हल्का ऑयल जैसे बादाम या नारियल त्वचा पर लगाएं। सर्दियों में त्वचा का खास ध्यान दें। इससे ग्लो बढ़ता है और रंगत में चमक आती है।

खानपान और नींद का असर

त्वचा की खूबसूरती मेकअप पर नहीं, आपके पेट पर निर्भर करती है। विटामिन सी से भरपूर चीजों का सेवन करें। फल में पपीता, संतरा, अनार खाएं। सब्जियों में पालक और गाजर को अपनाएं। रोज 7-8 गिलास पानी पिएं और जंक फूड व ज्यादा चीनी से दूरी बना लें। पेट के अंदर की गंदगी बाहर के रंग को दबा देती है। इसके अलावा अगर आप पर्याप्त नींद लेते हैं तो शरीर और मस्तिष्क को आराम मिलता है। तनाव कम होता है, जिससे स्किन ग्लोइंग बनती है। 7-8 घंटे की नींद पूरी करें। योग या हल्का मेडिटेशन करें।

'यूपी नहीं देखा तो क्या देखा'! शिमला-मनाली भूल जाएंगे,

ये हैं UP के शानदार मिनी हिल स्टेशन

हिल स्टेशन घूमने का प्लान बनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में शिमला, मनाली, नैनीताल या मसूरी का नाम आता है। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ धार्मिक स्थल ही हैं, तो आपको अपनी यह धारणा बदलने की जरूरत है। यहां भी कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जहां पहाड़, झरने, हरियाली और शांत वातावरण मिलकर किसी मिनी हिल स्टेशन जैसा एहसास कराते हैं। खास बात यह है कि इन जगहों तक पहुंचना आसान है और कम बजट में शानदार वीकेंड ट्रिप का मजा लिया जा सकता है। चलिए आपको इनके बारे में बताते हैं।

सोनभद्र

उत्तर प्रदेश का सोनभद्र जिला अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण सबसे अलग माना जाता है। विंध्य और कैमूर की पहाड़ियों के बीच बसा यह इलाका झरनों, घने जंगलों और पहाड़ी नजारों के लिए प्रसिद्ध है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसकी खूबसूरती को देखकर इसे 'भारत का स्विट्जरलैंड' तक कहा था। यहां मुक्खा फॉल, रिहंद डैम, कैमूर वाइल्डलाइफ सेंचुरी, सालखन फॉसिल पार्क और कई प्राचीन मंदिर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। प्रकृति और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए यह बेहतरीन जगह है।

चित्रकूट

अगर आप ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां प्रकृति और आस्था दोनों का संगम हो, तो चित्रकूट आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। विंध्य पर्वत श्रृंखला में स्थित इस स्थान का संबंध भगवान राम के वनवास से माना जाता है। यहां रामघाट, कामदगिरि, हनुमान धारा, गुप्त गोदावरी, स्फटिक शिला और भरत मिलाप जैसे धार्मिक स्थल मौजूद हैं। वहीं सूर्योदय का खूबसूरत नजारा और आसपास की पहाड़ियां इस जगह को खास बनाती हैं।

महोबा

महोबा को वीरों की धरती के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के खूबसूरत पहाड़ी इलाकों में भी गिना जाता है। यहां का गोखर पहाड़, चरखारी की छोटी पहाड़ियां, झीलें और हरियाली पर्यटकों को खूब पसंद आती हैं। इतिहास और प्रकृति में रुचि रखने वाले लोगों के लिए यह जगह किसी छिपे हुए पर्यटन स्थल से कम नहीं है। यहां कई प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक स्थल भी देखने को मिलते हैं।

मिर्जापुर

वेब सीरीज की वजह से चर्चा में रहने वाला मिर्जापुर असल जिंदगी में अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। गंगा किनारे बसा यह शहर पहाड़ियों, झरनों और धार्मिक स्थलों से घिरा हुआ है। यहां विंध्यम वाटरफॉल, लखनिया दरी, टांडा वाटरफॉल, चुनार किला, सीता कुंड और कई प्राचीन मंदिर मौजूद हैं। मानसून के दौरान यहां की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। वेब सीरीज के बाद मिर्जापुर पूरे देश में चर्चा का विषय बना रहता है, यहां का भौकाल झलकता है।

बारिश भी नहीं रोक सकी प्रकृति प्रेमियों का उत्साह

समाज के विभिन्न वर्गों ने निभाई सक्रिय भागीदारी

बेमेतरा। पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बेमेतरा में एक प्रेरणादायी पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में 108 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। सुबह 7 बजे शहर के बांधा तालाब (चौपाटी के पीछे) परिसर में शुरू हुए इस अभियान में तेज बारिश के बावजूद प्रकृति प्रेमियों का उत्साह देखते ही बना। पीपल, बरगद, नीम और आम जैसे पर्यावरण के लिए अत्यंत उपयोगी पौधों का रोपण कर उपस्थित लोगों ने केवल पौधे लगाने तक ही अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी, बल्कि उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। अभियान में 'सहयोग संस्था बेमेतरा', 'लक्ष्य फाउंडेशन', नगर पालिका के स्वच्छता कर्मियों, स्थानीय प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के अध्यक्ष पप्पू रवानी ने कहा कि 'सहयोग' संस्था जिस समर्पण और निस्वार्थ भावना से प्रतिदिन स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही है, वह पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद समाज सेवा के लिए समय निकालना संस्था के सदस्यों की संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र शुक्ला ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी मंच पर प्रत्येक कलाकार की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, उसी प्रकार 'सहयोग' संस्था का प्रत्येक सदस्य अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहा है। नगर पालिका के स्वच्छता प्रभारी रिंकू चौहान ने कहा कि संस्था के निरंतर सहयोग से नगर पालिका को स्वच्छता अभियान संचालित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। सामाजिक संगठनों की ऐसी सहभागिता प्रशासनिक प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाती है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी संजय दुबे ने नागरिकों से अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा पॉलीथीन का पूर्णतः बहिष्कार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण केवल प्रशासन नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है।

संस्था के सचिव सुशील शर्मा ने संस्था की कार्ययोजना एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था का शहर के प्रति जुड़ाव पूरी तरह भावनात्मक है। 'जल, जंगल और जमीन' के संरक्षण को लेकर संस्था निरंतर कार्य कर रही है तथा नई पीढ़ी को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित कर रही है। भूतड़ा परिवार की ओर से श्रीमती शांति देवी भूतड़ा ने प्रकृति संरक्षण को प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व बताते हुए कहा कि यदि समाज सामूहिक रूप से पौधारोपण और पौधों के संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में बेमेतरा को और अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाया जा सकता है। वहीं संजय भूतड़ा ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रेरक गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भावुक एवं प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आनंद साहू, भूपेंद्र साहू एवं योगेश सिंह राजपूत सहित दानदाता परिवार की ओर से देवकी भूतड़ा, शांति देवी भूतड़ा तथा विजय भूतड़ा मंचासीन रहे। 'लक्ष्य ग्रुप' के प्रशिक्षुओं ने भी पूरे उत्साह के साथ पौधारोपण अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेवा भावना का यह अभियान बेमेतरा में प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बनकर सामने आया।

महापौर एवं आयुक्त की नागरिकों से अपील, जलापूर्ति जल्द होगी सामान्य

महापौर ने जल कार्य प्रभारी एवं अधिकारियों के साथ इंटकवेल पहुंचकर देखी सफाई व्यवस्था

दुर्ग। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और शिवनाथ नदी में आए तेज उफान का असर अब शहर की पेयजल व्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। नदी के बढ़े जलस्तर के कारण नगर पालिक निगम के 24 एवं 42 एमएलडी इंटकवेल के सायफन में बार-बार जलकुंभी, झिल्ली, पॉलीथीन तथा अन्य तैरता कचरा फंसा हुआ है इसके चलते रविवार को शहर के कई क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। सफाई अभियान लगातार जारी है।जो जल्द सामान्य हो जाएगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर अलका बाघमार स्वयं शिवनाथ नदी स्थित इंटकवेल पहुंचीं और मौके का निरीक्षण किया। उनके साथ आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर सहित एमआईसी सदस्य, पार्षद एवं निगम के अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने इंटकवेल के सम्प के नीचे उतरकर सायफन में फंसे कचरे की स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक संसाधनों का उपयोग करते हुए युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने तथा शहर की जलापूर्ति को शीघ्र सामान्य करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि तेज बहाव के कारण पुलगांव नाला सहित अन्य नालों से बड़ी मात्रा में जलकुंभी और कचरा बहकर इंटकवेल तक पहुंच रहा है। इससे फिल्टर प्लांट तक पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा, जिसके कारण कई ओवरहेड टंकियां समय पर नहीं भर सकीं और जलापूर्ति प्रभावित हुई। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि लगातार बारिश और बाढ़ जैसी परिस्थितियों के बावजूद नगर निगम की पूरी टीम दिन-रात राहत कार्य में जुटी हुई है। कर्मचारियों द्वारा लगातार सायफन से जलकुंभी और कचरा हटाने का कार्य किया जा रहा है ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने नागरिकों से धैर्य एवं सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि नगर निगम प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और पेयजल आपूर्ति को शीघ्र सामान्य करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, शिव नायक, पार्षद कुलेश्वर साहू, रंजीता पाटील, जल कार्य अभियंता प्रकाश थवानी, सहायक अभियंता मोहित मरकाम, विनोद मांझी, जल निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा जी की पुण्यतिथि 7 जुलाई पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने, ÷ दिल मांगे मोर÷ का अमर उद्घोष देने वाले परम चक्र विजेता कारगिल युद्ध के महानायक शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन ।

9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में जन्मे कैप्टन विक्रम बत्रा भारतीय सेना की 13 जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स के वीर अधिकारी थे । वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में उन्होंने अदम्य साहस, अद्वितीय नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति सर्वोच्च समर्पण का परिचय देते हुए पॉइंट 5140 तथा पॉइंट 4875 जैसी महत्वपूर्ण चोटियों पर विजय प्राप्त करने में निर्णायक भूमिका निभाई । 7 जुलाई 1999 को पॉइंट 4875 पर अपने साथियों की रक्षा करते हुए उन्होंने वीरगति प्राप्त की । उनके अतुलनीय शौर्य और सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान परमवीर चक्र प्रदान किया गया ।

उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी राष्ट्रीय की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए समर्पित है । वीर सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करें तथा कैप्टन विक्रम बत्रा के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले ।

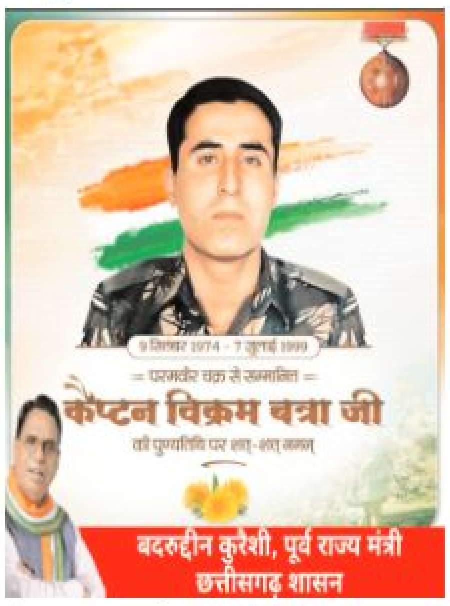

किराए पर बैंक अकाउंट लेकर करोड़ों का लेनदेन, मुंबई से हो रहा था ऑपरेट, 4 आरोपी अरेस्ट

केसीजी जिले की पुलिस ने की कार्रवाई, पहले भी हो चुकी ऐसी कार्रवाई

राजनांदगांव। खैरागढ़ पुलिस ने सट्टा के अवैध कारोबार के लिए किराए के बैंक खातों का उपयोग कर डेढ़ करोड़ रूपए के लेनदेन का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को अरेस्ट किया है। वहीं 14 मोबाइल, 19 एटीएम, 5 पासबुक और लैपटॉप बरामद किया गया है। इस उपयोग मुंबई में फ्लैट लेकर ऑनलाइन गेमिंग एप के लिए किया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समन्वय पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सूचना के अनुसार थाना छुईखदान क्षेत्र अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, शाखा छुईखदान के खाताधारक दीपक निर्मलकर के बैंक खाते में देश के विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी एवं साइबर फ्रॉड से संबंधित लगभग 1 करोड़ 69 लाख रुपए का लेन-देन होना पाया गया। पूछताछ में

आरोपी दीपक निर्मलकर ने स्वीकार किया कि उसने अपना बैंक खाता राहुल जंघेल को 12 हजार रुपए प्रतिमाह किराए पर उपलब्ध कराया था। आरोपी राहुल जंघेल से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उक्त खाते का उपयोग महाराष्ट्र के मुंबई स्थित पलावा सिटी में किराए के फ्लैट से संचालित ऑनलाइन गेमिंग एवं साइबर फ्रॉड गतिविधियों में किया जाता था।

विभिन्न राज्यों के लोगों से धोखाधड़ी कर प्राप्त राशि इन बैंक खातों में जमा कराई जाती थी। पूछताछ के दौरान राहुल जंघेल ने यह भी बताया कि पूरे ऑनलाइन गेमिंग नेटवर्क का संचालन राहुल देवांगन द्वारा किया जाता था, जो नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों को लगभग 25,000/- प्रतिमाह वेतन देता था। आरोपी राहुल ऑनलाइन गेमिंग एवं सट्टेबाजी का संचालन करना स्वीकार किया। उसने बताया कि लगभग चार माह पूर्व लगातार आर्थिक नुकसान होने के कारण उन्होंने मुंबई से अपना संचालन बंद कर दिया और सभी आरोपी अपने-अपने गृह जिलों में वापस आ गए।

पुलिस ने इन आरोपियों को गिरफ्तार किया

बताया गया कि दीपक निर्मलकर, पिता दीनू राम निर्मलकर निवासी ग्राम नवागांव (लोधी), जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)। राहुल जंघेल, पिता विजय जंघेल, निवासी ग्राम मैनहर, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)। राहुल देवांगन, पिता बसंत कुमार देवांगन, निवासी कुनरा, वार्ड क्रमांक 06, बजरंग चौक, धरसींवा, जिला रायपुर और विजय कुमार साहू, पिता डोमन राम साहू, निवासी ग्राम गगरिया खम्हरिया, शीतला चौक, थाना सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम शामिल हैं। आरोपियों से जप्त खातों में से बची 5 लाख रुपए शेष राशि को फ्रिज कराया जाएगा। प्रकरण में जप्त मशरूका 10 लाख 50 हजार रूपए को जप्त किया गया।

सेवा सेतु पोर्टल बना जनसुविधाओं का सशक्त माध्यम, अब एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी शासकीय सेवाएं

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से विकसित सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं का सशक्त डिजिटल माध्यम बनकर उभर रहा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं अब एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक घर बैठे विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इससे शासन की सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और जवाबदेही सुनिश्चित होने के साथ-साथ आमजन का समय एवं आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। सेवा सेतु पोर्टल पर जन्म प्रमाण पत्र सुधार एवं मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार की सुविधा 7 दिवस, विवाह प्रमाण पत्र सुधार तथा विवाह पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र 15 दिवस, व्यापार हेतु अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) 15 दिवस, नल कनेक्शन हेतु आवेदन 30 दिवस तथा नगर पालिका क्षेत्र में संपत्ति नामांतरण की सुविधा 30 दिवस की समय-सीमा में उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित अन्य शासकीय सेवाएं भी पोर्टल पर क्रमबद्ध रूप से उपलब्ध हैं। डिजिटल सेवाओं से आमजन को बड़ी राहत सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक अब अपने आवेदन की जानकारी एवं उसकी प्रगति भी ऑनलाइन देख सकेंगे।

बारिश के बीच छाता लेकर सड़कों पर उतरे महापौर, कलेक्टर व आयुक्त, चार वार्डों का किया निरीक्षण

जलभराव वाले क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश, अतिक्रमण व मलबा हटाने के आदेश

दुर्ग। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल स्वयं छाता लेकर शहर की सड़कों पर उतरे और निगम अमले के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। वार्ड क्रमांक 38, 39, 57 एवं 58 सहित जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों का दौरा कर मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा जहां-जहां पानी की निकासी में अवरोध मिला, उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई कराई। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, नीलेश अग्रवाल, पार्षद रामचंद्र सेन, रेशमा सोनकर, सरस निर्मलकर, रंजीता पाटिल सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि

नगर निगम बारिश के मौसम में पूरी तरह सतर्क है तथा नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार फील्ड में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि घरों एवं आसपास पानी का जमाव न होने दें तथा प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन, झिल्ली एवं अन्य कचरा नालियों में न फेंककर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन को ही दें, जिससे जल निकासी बाधित न हो और जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सके। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए तथा किसी भी सूचना पर तत्काल राहत कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

स्व. बीरा सिंह की 69वीं जयंती पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की अनूठी पहल, निःशुल्क स्वरोजगार केंद्र का शुभारंभ

भिलाई। समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय बीरा सिंह जी की 69वीं जयंती के अवसर पर आर्य नगर, कोहका स्थित समिति कार्यालय में बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र का शुभारंभ कराया। केंद्र का उद्घाटन उनकी माताजी कुलवंत कौर जी के कर-कमलों द्वारा किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय बीरा सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने उनके समाज सेवा, मानवता और जनकल्याण के कार्यों को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। नव

स्थापित बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र के माध्यम से महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई-कढ़ाई, दोना-पत्तल निर्माण, झाड़ू निर्माण, रुई बाती एवं दीया निर्माण, अगरबत्ती निर्माण सहित विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियों का प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। समिति का उद्देश्य महिलाओं को व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है, ताकि वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि स्वर्गीय बीरा सिंह का पूरा जीवन समाज और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि उनके पिता हमेशा यह मानते थे कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब संभव है, जब अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, मेरे पूज्य पिताजी स्वर्गीय बीरा सिंह जी ने अपने जीवन में समाज सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी 69वीं जयंती पर शुरू किया गया यह केंद्र उनके सपनों को साकार करने का एक छोटा सा प्रयास है।

गांव-गांव में लबालब भरी हैं आजीविका डबरियां, जल संरक्षण को मिलेगा विस्तार

बारिश के साथ दिखने लगा मोर गांव-मोर पानी' अभियान का असर

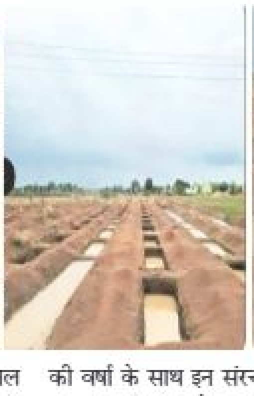

दुर्ग। मानसून की सक्रियता के साथ ही जिले में संचालित मोर गांव मोर पानी महाअभियान के सकारात्मक परिणाम अब गांव-गांव में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी हैं। पिछले कुछ दिनों से हुई अच्छी वर्षा के कारण अभियान के तहत निर्मित आजीविका डबरियां, नवा तरिया तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाएं तेजी से पानी से भर रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ने के साथ-साथ कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को नई मजबूती मिल रही है। सीईओ जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में एक ही वित्तीय वर्ष में 55,965 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, 15 परकोलेशन पॉण्ड, 834 रिचार्ज पिट, 1324 रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 9663 सोख्ता गड्ढे, 123 ग्राम तालाब, 20518 कंटूर ट्रेंच, 26 चेक डैम तथा 28 बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया गया। भू-जल स्तर बढ़ाने तथा वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 एवं मनरेगा के प्रभावी समन्वय से व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए हैं। इन कार्यों से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा ग्रामीण आजीविका को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले की 300 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के साथ जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। मानसून की वर्षा के साथ इन संरचनाओं के भरने से यह स्पष्ट हो गया है कि यह अभियान जल संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम दे रहा है। जिले में निर्मित 30 आजीविका डबरियां वर्षा जल का प्रभावी संचयन कर रही हैं। वहीं 'नवा तरिया आय के जरिया' पहल के अंतर्गत निर्मित 112 डबरी एवं तालाब भी वर्षा जल से लबालब भरने लगे हैं। इन जल संरचनाओं से मत्स्य पालन, सिंचाई, बागवानी तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों के लिए वर्षभर स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होंगे।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 10 को, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में होगा रोजगार मेला का आयोजन

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय जिला-दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 10 जुलाई 2026 को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय नया भवन परिसर पोटिया दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त रोजगार मेला हेतु कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई.टी.आई., डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., नर्सिंग, जी.एन.एम., ए.एन.एम., डिप्लोमा पैरामेडिकल एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 15 नियोजकों से 1342 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियों प्राप्त हो चुकी है जो 08 जुलाई 2026 तक बढ़ सकती है एवं जिसकी जानकारी रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक ऑनलाईन आवेदन कर सकते है जिसके लिए रोजगार पंजीयन करवाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में संपर्क कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com